PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 310 ● भिलाई, मंगलवार 23 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का पीए बनकर रुपए ऐंठने का प्रयास

बरहामपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निजी सहायक बनकर रुपये ऐंठने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बताया कि आरोपी जगन्नाथ मंडल (28) है, जो गोलंथरा पुलिस स्टेशन के पंचमा मोहंती साही का रहने वाला है. पुलिस ने जगन्नाथ के पास से एक मोबाइल फोन और दूसरी चीजें बरामद की हैं. पुलिस ने कहा, 19 जून को, राजेश कुमार पात्रा (33) ने बरहामपुर टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें 1 अप्रैल को 9692243697 नंबर से एक व्हाट्सएप कॉल आया था. नंबर पर नितिन नबीन पीए नाम प्रदर्शित था. वहीं कॉल करने वाले ने खुद को नबीन का निजी सहायक बताया और पात्रा से पार्टी के काम के लिए 50,000 रुपये मांगे. इतना ही नहीं कॉल करने वाले ने यह भी धमकी दी कि अगर पात्रा ने पैसे नहीं दिए तो वह भाजपा अध्यक्ष से शिकायत कर देगा. इसी तरह की शिकायत गणेश नाहक (23) ने बड़ाबाजार पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी. नाहक ने बताया कि उन्हें उसी नंबर से कॉल आया था. कॉल करने वाले ने खुद को चिकिटी विधायक का सहायक बताते हुए नाहक से 50,000 रुपये मांगे थे. जब शिकायत करने वाले ने उसकी पहचान पूछी, तो कॉल करने वाले ने उसके खिलाफ नितिन नबीन के पास शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी..

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भाजपा विधायक की सुरक्षा गाड़ी को डंपर ने उड़ाया

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के जेवर थाना क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे पर उस समय अफरा तफरी मच गई, जब मांट विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक राजेश चौधरी की सुरक्षा में चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी का एक हाइवा से एक्सीडेंट हो गया. हादसा इतना भीषण था कि एस्कॉर्ट में चल रहे पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि जेवर क्षेत्र में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रक से बचने के दौरान विधायक राजेश चौधरी की एस्कॉर्ट बोलेरो फेंसिंग से टकरा गई, जिसके बाद यह हादसा हुआ है.

बिल्डिंग से कूदते दिखे छात्र

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी आग,15 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे एक इमारत में भीषण आग लग गई। इमारत में स्थित कोचिंग संस्थान में लगी इस आग की चपेट में आने से 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम ने बचाव अभियान शुरू कर दिया। मौके पर 14 दमकल वाहन और हाइड्रोलिक सीढ़ी से लैस गाड़ियां पहुंचीं। आग लगने के बाद कई लोग इमारत से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कुछ लोग अंदर फंस गए थे। घने धुएं के कारण बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया है, जिसके चलते अग्निशमन कर्मियों ने बगल की इमारत की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया। आग की लपटों से बचने के लिए कुछ छात्र इमारत से कूद गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक को पहली मंजिल से गिरते हुए देखा गया। अग्निशमन कर्मी गीले कंबल लेकर अंदर गए और ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर सभी कमरों व शौचालयों की जांच की। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पाठक ने बताया कि निचली मंजिल पर पेट शॉप और ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर था। घटनास्थल पर स्ट्रेचर और बॉडी बैग भी देखे गए, जिससे हताहत होने की आशंका बढ़ गई है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर सक्रिय हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, इस घटना में 14 बच्चों की मौत हो गई है

और चार घायल बच्चों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री अलीगढ़ में अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द करके घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। हमारी प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराना है। घटना कैसे और क्यों हुई, इसका पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। अधिकारियों ने घटनास्थल पर तलाशी अभियान पूरा कर लिया है और पुष्टि की है कि अब कोई बच्चा वहां फंसा नहीं है। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बिना किसी नरमी के सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने पीड़ित परिवारों को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई है और कहा है कि उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। लखनऊ के अलीगंज इलाके से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में आग लगने का मामला सामने आया है। आग इतनी भयावह थी कि कोचिंग सेंटर के अंदर ही कई छात्र फंस गए। आग से बचने के लिए छात्र बिल्डिंग के ऊपर से ही कूदने लगे। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वहीं आग लगने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां पहुंच गई। फिलहाल आग पर काबू पाने का काम किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने लखनऊ अग्निकांड पर जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ की तीन मंजिला इमारत में भीषण अग्निकांड पर गहरा दुख जताया है। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिवारीजनों के लिए दो-दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए मुआवजे का ऐलान भी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पीएमओ के अधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट कर प्रधानमंत्री ने लखनऊ की आग में हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में लिखा- 'उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुई भीषण अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि से मैं व्यथित हूं।

यूके की राजनीति में बड़ा उलट फेर

ब्रिटिश पीएम लेबर पार्टी के नेता स्टार्मर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/ एजेंसी

यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने देश के शीर्ष राजनीतिक पद से अचानक अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। उनके इस अप्रत्याशित फैसले के बाद ब्रिटिश सरकार और लेबर पार्टी के भीतर नेतृत्व के नए संकट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीते 10 सालों में अपना पद छोड़ने वाले वह ब्रिटेन के छठे प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने देश के नाम अपने संबोधन में बताया कि उन्होंने इस बारे में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से बात कर ली है। कीर स्टार्मर के कार्यकाल के दौरान उठाए गए विभिन्न नीतिगत कदमों और राजनीतिक दबावों को इस बड़े फैसले की मुख्य वजह माना जा रहा है। अब वैश्विक नेताओं की नजरें लंदन पर टिकी हैं कि ब्रिटेन में इस राजनीतिक फेरबदल के बाद सत्ता की कमान किसके हाथों में सौंपी जाएगी। नए नेता के चुने जाने तक कीर स्टार्मर कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपना काम करते रहेंगे। पार्टी के भीतर असंतोष गहराने के बाद 100 से ज्यादा लेबर सांसदों ने सार्वजनिक रूप से उनसे इस्तीफे की मांग की थी। मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहम के सांसद बनने के बाद उन पर यह दबाव और ज्यादा बढ़ गया था। बर्नहम को ही अब लेबर पार्टी और देश के अगले प्रधानमंत्री की रेस में सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। कीर स्टार्मर पर कई बड़े विवादों के कारण पद छोड़ने का भारी राजनीतिक दबाव था।

लुधियाना से यूपी जा रही स्लीपर बस में लगी भीषण आग

खन्ना। लुधियाना-अमृतसर नेशनल हाईवे पर रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब यात्रियों से भरी स्लीपर बस में अचानक भीषण आग लग गई. बस में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 80 से 100 यात्री सवार थे. ड्राइवर और कंडक्टर की सूझबूझ से सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. जानकारी के मुताबिक, यह बस लुधियाना से उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले जा रही थी. जब बस खन्ना के पास विजा गांव पहुंची, तो अचानक उसमें आग लग गई. देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया. आग लगते ही बस में चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई.

उद्धव ठाकरे की पार्टी टूटी

एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए यूबीटी के 6 बागी सांसद

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र की सियासत से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। उद्धव ठाकरे की पार्टी टूट गई है। शिवसेना यूबीटी के 6 बागी सांसद एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। बागी सांसदों के नाम भी सामने आ गए हैं। बागी सांसदों के नाम भी जानिए संजय हरिभाऊ जाधव भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर संजय दीना पाटिल संजय उत्तमराव देशमुख नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर एकनाथ शिंदे का सामने आया बयान महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा, आज हमारे साथ 6 सांसद शामिल हुए हैं। संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर। तो हमारे साथ यहां 3 संजय हैं। हमारे यहां एक और संजय राठौड़ (विधायक) भी हैं। जब हमारे यहां संजय हैं, तो किसी और संजय के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है, और आप जानते हैं कि मैं किसकी बात कर रहा हूं। एकनाथ शिंदे ने ये भी कहा कि अब एक नहीं छह टाइगर यहां मौजूद हैं। शिंदे ने कहा कि हम कोई ऑपरेशन आधा अधूरा नहीं करते। ऑपरेशन पूरा हो चुका है। सभी प्रक्रिया का पालन कर छह सांसद हमारे साथ जुड़ गए हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील लगभग तैयार

लेकिन टैरिफपर अटका अंतिम फैसला-गोयल...

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत इस समझौते को तभी लागू करेगा, जब उसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में स्पष्ट और प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। गोयल के अनुसार, फिलहाल बातचीत में टैरिफ (शुल्क) से जुड़े मुद्दे ही सबसे बड़ी बाधा बने हुए हैं। बीजेपी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोयल ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क पहले ही अंतिम रूप ले चुका है। इसकी औपचारिक घोषणा भी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि

समझौते को लागू करने का रास्ता अब टैरिफ संबंधी चिंताओं के समाधान पर निर्भर है। गोयल ने कहा, हम किसी भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को तब तक लागू नहीं कर सकते, जब तक भारत को उससे ठोस लाभ न मिले।

अलग-अलग हादसों में 5 लोगों की गई जान, कई घायल, घरों में पसरा मातम

धमतरी। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में हुए दर्दनाक हादसों ने पांच लोगों की जान ले ली, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा और धमतरी जिलों में हुए इन हादसों में कहीं ट्रैक्टर और ट्रेलर लोगों के लिए काल बन गए, तो कहीं खदान में डंपर पलटने से एक एसईसीएल कर्मी की मौत हो गई। इन घटनाओं के बाद कई इलाकों में मातम पसरा हुआ है, वहीं पुलिस सभी मामलों की जांच में जुटी हुई है। पहली घटना औंधियारखोर में हुई, जहां एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त हो गया। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार 18 वर्षीय दीपेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गया।

हम स्वतंत्र देशों के नेता हैं

इजरायली पीएम बोले-न राष्ट्रपति मेरी हर बात मानते हैं;न मैं उनकी सुनता हूं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है. इस दौरान नेतन्याहू ने कहा, दोनों नेता हमेशा एक दूसरे की बात को पूरी तरह से स्वीकार नहीं करते हैं क्योंकि वो स्वतंत्र देशों के नेता हैं. हमेश एक-दूसरे की हर इच्छा पूरी नहीं कर सकते. नेतन्याहू ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वह सब कुछ नहीं करते जो मैं चाहता हूं और न ही मैं वो सब कुछ करता हूं जो वो चाहते हैं. कभी-कभी हमारी राय बहुत से मुद्दों पर एक-दूसरे से अलग होती है. इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर खुलकर बात की है. हालांकि, अभी ये साफ नहीं है कि उन्होंने ये बातें किस संदर्भ में कही हैं. एक अंतरराष्ट्रीय नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भले ही अमेरिका और इजरायल करीबी सहयोगी हों, लेकिन दोनों देशों के बीच हमेशा

हर मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाती है. इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इंटरनेशनल पॉलिसी सब्मिटी में बोलते हुए कहा कि अमेरिकी प्रेसीडेंट वह सब कुछ नहीं करते जो मैं उनको कहटन हूं, न ही मैं वो सब कुछ करता हूं जो वो चाहते हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि वे दोनों आजाद और गर्व करने वाले देशों के नेता हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी उनकी राय एक-दूसरे से अलग हो. पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का ये बयान हालिया घटनाओं के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इजरायल हमास, हिन्बुल्लाह और ईरान समर्थित समूहों के साथ सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है. हालांकि अमेरिका इन मुद्दों पर इजरायल का साथ देता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन हमेशा इजरायल की हर मांग को तुरंत स्वीकार नहीं करता.

12 दिन की देरी से पहुंचा मानसून

छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री,जिला दंतेवाड़ा से हुआ आगाज,अगले 48 घंटे में बढ़ेगी बारिश की गतिविधि

रायपुर। प्रदेशवासियों के लिए राहत की खबर है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार छत्तीसगढ़ में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने सोमवार को दंतेवाड़ा जिले से दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदेश में प्रवेश की पुष्टि की है। इसके साथ ही अगले 24 से 48 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। मानसून की दस्तक के साथ ही प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून 22 जून 2026 को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा 19ए उत्तरी अक्षांश और 60ए पूर्वी देशांतर, 19ए उत्तरी अक्षांश और 65ए पूर्वी देशांतर, 18.8ए उत्तरी अक्षांश और 70ए पूर्वी देशांतर, अलीबाग, पुणे, निजामाबाद, दंतेवाड़ा, बलांगीर, सुंदरगढ़, चतरा, गया, मुजफ्फरपुर और 28.3ए उत्तरी अक्षांश तथा 83ए पूर्वी देशांतर से होकर गुजर

रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून प्रदेश में सामान्य तिथि की तुलना में करीब 10 से 12 दिन की देरी से पहुंचा है। मानसून का प्रवेश दंतेवाड़ा जिले के रास्ते हुआ है और अगले दो से तीन दिनों में इसके प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में फैलने की संभावना जताई गई है। मानसून की देरी का असर प्रदेश की वर्षा स्थिति पर साफ दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक अब तक छत्तीसगढ़ में सामान्य से 63 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे किसान भी अच्छी वर्षा का इंतजार कर रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक बीके चिंधालोरे ने बताया कि इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते मानसून की प्रगति और वर्षा की तीव्रता प्रभावित हो सकती है। विभाग के अनुमान के अनुसार पूरे मानसून सत्र के दौरान प्रदेश में सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत कम वर्षा होने की संभावना है। हालांकि मानसून के सक्रिय होने के साथ ही आने वाले दिनों में कई जिलों में अच्छी बारिश होने के संकेत मिल रहे हैं। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खेती-किसानी से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय कृषि मौसम विभाग द्वारा जारी सलाह और पूर्वानुमानों का पालन करें। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम और अनिश्चित वर्षा की परिस्थितियों को देखते हुए वैज्ञानिक सलाह के आधार पर बुवाई एवं कृषि कार्य करने से किसानों को बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

बंगाल हुआ फतह

पंजाब के लिए भाजपा ने बनाई खास रणनीति

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब जीतने के लिए वहां का रुख किया है। इसके लिए पार्टी एक खास रणनीति पर काम करेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बताया कि पार्टी को पंजाब में फैले नशे के नेटवर्क के खिलाफ बड़ा जन अभियान शुरू करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशा, गैंगस्टरवाद और स्थानीय स्तर पर फैला भ्रष्टाचार भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दे होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि पंजाब में

बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ता गैंगस्टरवाद, नशे की समस्या और युवाओं का पलायन राज्य ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा इन मुद्दों को आगामी विधानसभा चुनावों में प्रमुख चुनावी एजेंडा बनाएगी।

योग भारत की अमूल्य विरासत, स्वस्थ शरीर और शांत मन का आधार : भावना बोहरा एवं विजय शर्मा

पंडरिया-कवर्धा में योग की गूंज, हजारों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

कवर्धा/पंडरिया। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कबीरधाम जिले में योग के प्रति जन-जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के वनांचल ग्राम भैंसाओदार (तहसील कुई-कुकदूर) तथा कवर्धा के पी.जी. कॉलेज डोम में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के भैंसाओदार में आयोजित स्वस्थ आयु के लिए योग कायक्रम में विधायक भावना बोहरा की पहल पर सैकड़ों लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाकर निरोगी जीवन का संदेश देना था। वनांचल क्षेत्र सहित विधानसभा के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे लोगों ने योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अबूझमाड़ मल्लखंब टीम की शानदार प्रस्तुति रही। बस्तर के सुदूर वनांचल से निकलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी इस टीम ने मल्लखंब योग का अद्भुत प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि योग केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि विश्व मानवता के स्वास्थ्य और कल्याण का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने का सशक्त साधन है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन सकारात्मक बनता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। विधायक बोहरा ने पंडरिया विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर 20 से अधिक प्रकार की जांच की जा रही है, जिससे लगभग 13 हजार लोगों को लाभ मिला है। वहीं 8 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहकर लगभग 32 हजार लोगों को आपातकालीन सहायता प्रदान कर चुकी हैं। इधर जिला मुख्यालय कवर्धा के पी.जी. कॉलेज डोम में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। उनके साथ जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि योग हमारे ऋषि-मुनियों की अमूल्य विरासत है, जिसने सदियों से भारतीय जीवनशैली को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल से योग को वैश्विक पहचान मिली और आज 170 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग निरोगी काया और स्वस्थ चित्त का आधार है। वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग तनाव मुक्ति, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा मानसिक शांति प्राप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। समाज के हर वर्ग को योग अपनाकर स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यस्5म में पतंजलि योग समिति के वरिष्ठ योग प्रशिक्षक सुरेश चंद्रवंशी एवं अन्य प्रशिक्षकों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, वस्र5ासन, भुजंगासन, मकरासन, पवनमुक्तासन तथा प्राणायाम सहित विभिन्र योगासन कराए और उनके लाभों की जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन और सकारात्मक जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है। पंडरिया से लेकर कवर्धा तक योग की गूंज ने एक स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत के निर्माण का मजबूत संकल्प प्रस्तुत किया।

योग दिवस के पोस्टर में फोटो नहीं होने पर नाराज होकर चले गए साजा विधायक ईश्वर साहू

बेमेतरा। जिला मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में उस समय जिला प्रशासन के लिए दुविधा की स्थिति निर्मित हो गयी जब साजा विधानसभा क्षेत्र की विधायक ने योग समारोह का बहिष्कार कर चले गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में साजा विधायक ईश्वर साहू का फ्लेटो कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए पोस्टर में अपना फोटा नहीं होने से नाराज होकर मंच से उठकर चले गए। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। जानकारी के अनुसार, बेमेतरा जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों बेमेतरा, नवागढ़ और साजा के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम के पोस्टर में बेमेतरा और नवागढ़ क्षेत्र से जुड़े नेताओं के फोटो शामिल किए गए थे, जबकि साजा विधायक ईश्वर साहू का फोटो नहीं लगाया गया था। इसे लेकर विधायक ने नाराजगी जताई और मंच छोड़कर चले गए।

जांच कराने की बात कही गई विधायक ने

इस संबंध में मीडिया से बातचीत करते हुए साजा विधानसभा क्षेत्र विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि जानबूझकर इस तरह की स्थिति बनाया गया है उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह मंत्री से शिकायत करेंगे और इसमें जांच करवाएंगे जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रशासनिक स्तर पर इस तरह से जानबूझकर किया गया या भाजपा के नेताओं के द्वारा इस तरह से किया गया तो उन्होंने कहा मैं किसी का नाम नहीं लेता लेकिन मैं इस संबंध में निश्चित रूप से जांच कराऊंगा। उन्होंने कहा कि पोस्टर में मेरा फोटो नहीं होने की जानकारी होने के बाद चाहते तो पोस्ट को 2 घंटे में बदल सकते थे लेकिन जानबूझकर बदला नहीं गया है इस तरह से षड्यंत्र किया गया है है घटना के बाद मौजूद अधिकारियों के द्वारा विधायक का मान-मनौव्वल करने लगे और स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया। बहुत प्रयास समझाइश के बाद विधायक दोबारा मंच पर लौटे और कार्यक्रम में शामिल हुए। इस घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक समन्वय और प्रोटोकॉल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जब जिले के सभी प्रमुख जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति तय थी, तब प्रचार सामग्री तैयार करते समय इस तरह की चूक कैसे हुई। इसे प्रशासन की गंभीर लापरवाही के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी, बेमेतरा जिले के 1.09 लाख किसानों को मिले 21.84 करोड़ रुपये

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज पश्चिम बंगाल के हुगली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना अंतर्गत 23वीं किस्त की राशि देशभर के पात्र कृषकों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर देशभर के करोड़ों किसानों के साथ बेमेतरा जिले के कृषकों को भी योजना का लाभ प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से बेमेतरा जिले के जनप्रतिनिधि, कृषकगण, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न कृषि संस्थानों से जुड़े हितग्राही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि उपज मंडियों, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों, ग्राम पंचायतों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जहां बड़ी संख्या में किसानों ने प्रधानमंत्री का संबोधन सुना और योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत बेमेतरा जिले के लगभग 1 लाख 09 हजार कृषकों के खातों में 21 करोड़ 84 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। किसानों ने योजना के माध्यम से प्राप्त आर्थिक सहायता के लिए प्रधानमंत्री एवं केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना खेती-किसानी के कार्यों में आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। किसानों को समय पर मिलने वाली यह सहायता राशि बीज, उर्वरक, कृषि आदान सामग्री की खरीदी सहित अन्य कृषि कार्यों में उपयोगी साबित हो रही है। इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की आय बढ़ाने एवं कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के माध्यम से पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता राशि तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें खेती-किसानी के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता समय पर उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के दौरान किसानों को केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, मृदा परीक्षण कराने, नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बेमेतरा जिले के 40 कृषकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में शामिल किसानों ने शासन की किसान कल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं कृषि क्षेत्र के विकास तथा किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य कृषि योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए लगातार जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभागीय अधिकारियों ने किसानों से योजनाओं का लाभ लेने हेतु समय-समय पर आवश्यक दस्तावेजों का अद्यतन कराने तथा कृषि विभाग से संपर्क बनाए रखने की अपील की है।

शासकीय हाई स्कूल नरी में योग प्रदर्शन एवं योगाभ्यास का आयोजन किया गया

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल नरी में योग प्रदर्शन एवं योगाभ्यास का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित मंडल अध्यक्ष हावेन्द्र वैष्णव ने योग के महत्व पर चर्चा करते हुए नियमित योग करने और स्वस्थ रहने की बात कही। संस्था के व्याख्याता संजय वर्मा ने अपने उद्बोधन में योग के इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पृष्टभूमि, एवं योग से होने वाले लाभ के विषय मे विस्तृत चर्चा की। व्याख्याता दुर्गा प्रसाद सोनी ने योग के विभिन्र आसनों प्राणायाम, हलासन, मकरासन, शशांकासन, ताड़ासन, पद्मासन आदि का का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया एवं उनके करने से होने वाले लाभ की जानकारी दी, जिसका उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, ग्रामवासियों एवं विद्यार्थियों ने अनुसरण किया।इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकिसुन साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष कौशल सिन्हा, महामंत्री मनोज पुरी गोस्वामी, उप सरपंच जकलू राम साहू, गया पाल, रूप राम साहू, बारले, संस्था के शिक्षक भरत साहू, उमाशंकर साहू सहित ग्रामवासी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। संस्था के प्राचार्य सुनील कुमार झा ने एक अच्छे आयोजन के लिए सभी को हार्दिक बधाई प्रेषित की।

भाजपा बेरला मंडल ने विभिन्न ग्रामों में किया सामूहिक योग

बेमेतरा। 12 वे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत समेत कई देशों में मनाया जाता है इस अवसर पर भाजपा बेरला मंडल ने नगर पंचायत बेरला, ग्राम पंचायत टकसीवा सहित विभिन्र ग्रामों में सामूहिक योग किया, योग एक प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका अर्थ है जुड़ना या जुड़ना, जो शरीर और अपने के मिलन का प्रतीक है। आज इसकी प्रैक्टिस विश्व भर में अलग-अलग सिद्धांतों में की गई है और इसका महत्व लगातार बढ़ रहा है इसके सार्वभौमिक आवाहन पर 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प लिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग के अभ्यास के बारे में विश्व भर में जागरूकता बढ़ाना है। 21जून 2015 को दिल्ली में प्रथम योग दिवस यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नेतृत्व में मानाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए मसौदा प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित किया गया था और इसे रिकॉर्ड 175 सदस्यों ने समर्थन दिया था। यह प्रस्ताव यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महासभा के 69 वें सत्र के उद्घाटन के दौरान अपनी योजना में प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने कहाः योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अनमोल उपहार है। योग मन और, विचार और कर्म की एकता का प्रतीक है एक समग्र दृष्टिकोण जो हमारे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए शरीर के लिए मूल्यवान है। योग केवल व्यायाम नहीं है; यह स्वयं से, दुनिया और प्रकृति से एकात्म की भावना प्राप्त करने का एक तरीका है। इस प्रस्ताव में व्यक्तित्व और जनसंख्या के लिए स्वस्थ आदर्शों और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली विचारधारा के महत्व पर ज़ोर दिया। बेरला मंडल अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर व्यक्ति को स्वस्थ, सकारात्मक और ऊर्जावान बनाता है।

नियमित योगाभ्यास से तनाव, चिंता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है, इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अमृत लाल माहेश्वरी, नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा, नारायण पटेल, पार्षद जनप्रतिनिधि मती लक्ष्मीलता वर्मा, बलराम सिवारे, बलराम यादव, यतीश द्विवेदी, युवा मोर्चा जिला मंत्री शिवझड़ी सिन्हा, युवा मोर्चा अध्यक्ष युगल पाटिल, एससी मोर्चा अध्यक्ष जगदीश कुर्रे,अन्य पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष राजू साहु सहित लेखराम साहु, मिथला साहू पुसऊ सिन्हा तहसीलदार परियोजना अधिकारी सीएमओ, बीईओ, पटवारीगण, महिला स्व-सहायता समूह की बहनें, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

महेश नवमी पर माहेश्वरी युवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर, 52 यूनिट रक्त संग्रहित, रक्तवीरों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा महेश नवमी के पावन अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन बेमेतरा के द्वारा जिला चिकित्सालय बेमेतरा ब्लड बैंक के सहयोग से माहेश्वरी भवन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर एवं सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम में ये गणमान्य रहे उपस्थितः माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष हर्ष माहेश्वरी, सचिव दीपक डांगरा, महिला मंडल अध्यक्ष हंसा माहेश्वरी, समाजसेविका नीतू कोठारी, समाजसेवी ताराचंद माहेश्वरी, चंद्र प्रकाश मुंद्रा,अमित माहेश्वरी सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रक्तदान कार्य में चिकित्सकीय दल का सहयोगः प्रभारी रक्त संक्रमण अधिकारी डॉ. पी.आर. पोपटानी (पैथोलॉजिस्ट), डॉ. बुद्धेश्वर वर्मा (चिकित्सा अधिकारी), भूपेन्द्र कुर्रे (एम.एल.टी.), कुलेश्वरी साहू, विनेश्वर जायसवाल (काउंसलर), हरिशंकर (एम.एल.टी.), धन्नू वर्मा (एम.एल.टी.), विष्णु पटेल (एम.एल.टी.), वाहन चालक रामचरण एवं वार्ड बॉय राधे साहू का विशेष सहयोग रहा। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष हर्ष माहेश्वरी ने कहा कि महेश नवमी सेवा का पर्व है। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगियां बचती हैं। सभी 52 रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ लोकेश साहू ने कहा कि माहेश्वरी समाज का यह प्रयास अनुकरणीय है। गर्मी के मौसम में जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए इस तरह के शिविर बहुत जरूरी हैं। इससे रक्त के कमी से जूझ रहे विभिन्र भर्ती मरीजों को रक्त पूर्ति की जायेगी। जिला चिकित्सालय बेमेतरा प्रबंधन ने माहेश्वरी युवा संगठन, सभी रक्तदाताओं, समाजसेवियों का

शासकीय प्राथमिक शाला-करनापाली में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

सरायपाली। शासकीय प्राथमिक शाला-करनापाली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कायक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं योग के महत्व पर चर्चा के साथ हुआ। विद्यालय के शिक्षक वीरेंद्र कुमार कर, निर्मला नायक ने विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन तथा प्राणायाम सहित विभिन्र योग क्रियाओं का अभ्यास किया। विद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे। प्रधान पाठक गिरधारी साहू ने बताया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। आगे उन्होंने योग को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बेमेतरा में उत्साहपूर्वक हुआ सामूहिक योगाभ्यास

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने किया योग

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रातःकाल जिला मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम (कंतेली), बेमेतरा में जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वस्थ राष्ट्र के लिए योग की भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद, छत्तीसगढ़ लक्ष्मी वर्मा थीं। कार्यक्रम में विधायक बेमेतरा दीपेश साहू, विधायक साजा ईश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मती कल्पना योगेश तिवारी, नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा तथा जिला पंचायत सदस्य अजय साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत कलेक्टर सु प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी लोगों ने प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्र योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। पूरे परिसर में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तीन पीढ़ियों द्वारा एक साथ योगाभ्यास तथा संपूर्ण परिवार के साथ योग करने वाले प्रतिभागी रहे। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले ऐसे परिवारों को मंच पर सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। वहीं स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत योग प्रदर्शन एवं आकर्षक योग मुद्राओं ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। छात्राओं की प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद मती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज विश्वभर में योग को अपनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, सकारात्मक और संतुलित जीवन जीने की कला है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योग दिवस संदेश भी पढ़कर सुनाया। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक एवं अनुशासित पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से मानसिक तनाव दूर होता है, एकाग्रता बढ़ती है तथा व्यक्ति सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि योग स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में योग मानसिक शांति, आत्मविश्वास और नई ऊर्जा प्रदान करता है। नियमित योगाभ्यास से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते है तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का विस्तार होता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, विभिन्र विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, आयुष विभाग के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संगठन, योग संस्थान एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के पश्चात स्वामी विवेकानंद स्टेडियम (कंतेली), बेमेतरा परिसर में ःएक पेड़ माँ के नामः अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी दिलाने युवती से 46 हजार की मांग; बंधक बनाकर रखने का आरोप, 3 पर केस दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर एक युवती से पैसे वसूलने, मानसिक प्रताड़ना देने और बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सुकमा जिले के मस्तानपारा निवासी किरण नाग नौकरी की तलाश में रायपुर आई थी। आरोप है कि उसे ट्रेनिंग और नौकरी दिलाने का झांसा देकर खमतराई क्षेत्र स्थित एक ट्रेनिंग सेंटर बुलाया गया। यहां उसका इंटरव्यू लिया गया और शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड तथा फोटो जमा करा लिए गए। इसके बाद रहने और खाने के नाम पर उससे 2500 रुपये भी वसूले गए। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि चार दिन की ट्रेनिंग के बाद युवती को नौकरी मिलने की बात कहकर 15 हजार रुपये मासिक वेतन वाली नौकरी के लिए 46 हजार रुपये की मांग की गई। जब उसने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई तो उस पर लगातार दबाव बनाया जाने लगा। यहां तक कि घर की जमीन-जायदाद बेचकर या गिरवी रखकर पैसे की व्यवस्था करने के लिए कहा गया। बताया गया कि दबाव के चलते परिजनों ने गांव की जमीन गिरवी रखकर 15 हजार रुपये ऑनलाइन भेजे, लेकिन इसके बावजूद आरोपियों द्वारा शेष 31 हजार रुपये की मांग जारी रखी गई।

पेड़ कटाई के दौरान गिरा बिजली का खंबा, चपेट में आकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की दर्दनाक मौत

रायपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मौत हो गई। बाजार में सब्जी खरीदने पहुंची महिला के ऊपर अचानक बिजली का खंभा गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी और शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान पूर्णिमा वर्मा के रूप में हुई है, जो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। बताया जा रहा है कि वह बाजार में सब्जी खरीदने गई थीं। इसी दौरान अचानक बिजली का खंभा उनके ऊपर गिर पड़ा। खंभे की चपेट में आने से उनके सिर में गंभीर चोट आई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना स्थल के पास पेड़ कटाई का कार्य चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान बिजली का खंभा असंतुलित होकर गिर गया

रतनपुर पुलिस की कार्रवाई 30 पाव देशी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर जिले में नशे के कारोबार के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत रतनपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 30 पाव देशी प्लेन शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर जिले में अवैध शराब, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों के कारोबारियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती मधुलिका सिंह एवं एसडीओपी कोटा श्रीमती नूपुर उपाध्याय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रतनपुर उपनिरीक्षक विष्णु यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति रानीगांव शराब भट्ठी से भारी मात्रा में देशी शराब लेकर बिक्री के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने खंडोबा मंदिर के पास घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 30 पाव देशी प्लेन शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 2,400 रुपये है, बरामद की गई। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रमोद यादव (37 वर्ष) एवं मोहन निर्मलकर (40 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम मोहदा, थाना रतनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

यूपीएससी प्रीलिम्स में छत्तीसगढ़ के ट्राइबल हॉस्टल का जलवा,

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के परिणाम में छत्तीसगढ़ के ट्राइबल यूथ हॉस्टल ने शानदार प्रदर्शन किया है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी करने वाले 13 अभ्यर्थियों ने यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा पास कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इनमें अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय, ग्रामीण और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और आदिमजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति की प्रतिभा, मेहनत और संकल्प का प्रमाण है।

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया

- जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला और संस्कृति से एकाकार होते है तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है - राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में पश्चिम बंगाल, गोवा और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला, संस्कृति और जीवन-शैली से एकाकार होते हैं, तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक-दूसरे राज्य की संस्कृति को जानना और आदान-प्रदान करना है। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने हमें कई ऐसे महापुरूष दिए है जिन्होंने देश और समाज की दिशा ही बदल दी। बंकिमचंद्र चटर्जी के वंदे मातरम् गीत ने सारे देश में जागरण लाया। स्वामी विवेकानंद ने भारत की संस्कृति का पूरे विश्व में प्रचार-प्रचार किया। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन कर समाज को नई दिशा दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में बहुत बड़ी भूमिका निभाई । उन्होंने कहा कि बंगाल में समृद्ध व्यापार के साथ-साथ समृद्ध संस्कृति भी रही है। उन्होंने गोवा राज्य का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे छोटा राज्य क्षेत्रफल में भले ही लघु हो किन्तु इसकी सांस्कृतिक समृद्धि अतुलनीय है। यहां पुर्तगाली और भारतीय संस्कृति का अनोखा मिश्रण दिखाई देता है। पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए यह राज्य अग्रणी है। उन्होंने तेलंगाना राज्य की विशेषताओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि हैदराबाद आईटी और तकनीकी क्षेत्र में विश्व के अग्रणी केन्द्र के रूप में जाना जाता है। श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ और इन तीनों राज्यों के मध्य सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय संबंध बहुत गहरे हैं। हमारे प्रदेश के लोग भी इन राज्यों की सांस्कृतिक यात्राओं से समृद्ध होते हैं और अपनी परंपराओं को उनके साथ साझा करते हैं। एक दूसरे से सीखना, एक दूसरे से जुड़ना और मिलकर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव रखना यही 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की वास्तविक भावना है। समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला।

समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। जगदलपुर के ट्री मेन और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने वाले श्री सम्पत झा सहित श्रीमती रिनी छाबड़ा, श्रीमती सीमा गुप्ता, श्रीमती ललिता पैकरा और श्रीमती तूलिका पाण्डेय को राज्यपाल ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर.प्रसन्ना, राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे, लोकभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा इन सभी राज्यों के प्रतिनिधियों के रूप में युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

23 जिलों में 31 सरकारी योजनाओं का मिलेगा अब शत-प्रतिशत लाभ..

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशभर में 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य 23 जिलों के प्रत्येक पात्र परिवार तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और योजनाओं का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करना है। सरकार के अनुसार, यह अभियान बस्तर में सफल रहे 'नियद नेल्लानार' मॉडल का राज्यव्यापी विस्तार है। अब रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के 23 जिलों में विभिन्न विभागों की योजनाओं को एकीकृत कर ग्रामीण परिवारों तक सीधे पहुंचाया जाएगा। अभियान के तहत आवास, रोजगार, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कृषि, सामाजिक सुरक्षा और कौशल विकास से जुड़ी 31 प्रमुख योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जल जीवन मिशन, राशन कार्ड, महतारी वंदन योजना, जन-धन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन सहित कई योजनाएं शामिल हैं। अभियान की निगरानी के लिए छत्तीसगढ़ इन्फ्रेटेक प्रमोशन सोसायटी एक अत्याधुनिक डिजिटल डैशबोर्ड विकसित करेगी। इस डैशबोर्ड के माध्यम से राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक योजनाओं की प्रगति, लाभार्थियों की संख्या और संतृप्तिकरण की स्थिति का रियल-टाइम मॉनिटरिंग किया जाएगा। सरकार ने अभियान के संचालन के लिए तीन चरण निर्धारित किए हैं। पहले चरण में ग्रामवार सर्वेक्षण और पात्र परिवारों की पहचान होगी। दूसरे चरण में विशेष शिविर लगाकर हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा। तीसरे चरण में योजनाओं की सतत समीक्षा और मूल्यांकन कर शेष पात्र परिवारों तक लाभ पहुंचाया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी जिला कलेक्टरों को सौंपी गई है। संभागायुक्त नियमित समीक्षा करेंगे, जबकि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति पूरे अभियान की निगरानी करेगी।

झारखंड के जामताड़ा गैंग का शातिर साइबर ठग गिरफ्तार

रायपुर। सिटी कोतवाली बलौदाबाजार पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड के कुख्यात जामताड़ा साइबर ठगी गिरोह के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 17 एटीएम कार्ड और अपराध में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार संजय कॉलोनी, बलौदाबाजार निवासी महेंद्र त्रिपाठी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 21 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से संदेश प्राप्त हुआ था। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक की गार्डन चौक शाखा स्थित उनके खाते से अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 74 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। प्रार्थी की शिकायत पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

बस्तर की महिला हो रही आत्मनिर्भर

महिला बहनों को सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र का वितरण किया

रायपुर। संवाददाता

ग्राम नेतानार में शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा में आज सिलाई मशीन प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त 20 प्रशिक्षित महिला बहनों को सिलाई मशीन व प्रमाण पत्र का वितरण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव के द्वारा किया गया। विगत दिनों देश के केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा नेतानार में शहीद वीर गुण्डाधुर सेवा डेरा में सिलाई प्रशिक्षण,इमली प्रसंस्करण इकाई, बस्तर डेकी राइस ईकाई का विधिवत शुभारंभ किया गया था। महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षित होने पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। सेवा डेरा में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण पर हमारी सरकार ने हमारी माता बहनों को आत्मनिर्भर व रोजगार सुनिश्चित करने हेतु कार्य कर रही है। सेवा डेरा में हमारे क्षेत्र के माता बहन को सिलाई प्रशिक्षण, इमली प्रसंस्करण इकाई एवं बस्तर डेकी राइस ईकाई से जोड़कर आत्मनिर्भर व रोजगार सुनिश्चित करने का कार्य शुरू किया गया है। जिसमें आज सिलाई प्रशिक्षण में 20 बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने अपने गांव में जाकर अपने घरों में सिलाई मशीन से सिलाई कर आय अर्जित कर आत्म निर्भर बनेगीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सोच हमारे बस्तर व प्रदेश के गांव के बेटियां आत्मनिर्भर बनें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में किसान, गरीब,युवा एवं महिलाओं को सुदृढ़ करने के लिए सतत् प्रयास कर रहे हैं। हमारे जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मंडल के विभिन्न गांवों के महिला बहने आज सेवा डेरा में सिलाई मशीन प्रशिक्षण एवं अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर महिला सशक्तिकरण पर आगे बढ़ रही है।

पीएम पोषण शक्ति योजना- मुख्य सचिव विकासशील ने दिए निर्देश

- सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिले नियमित गरम भोजन
- शहरी क्षेत्रों में सेंट्रल किचन से होगी सप्लाई

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय (महानदी भवन) में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग सह संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने कड़े निर्देश दिए हैं कि राज्य की सभी शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को योजना के तहत अनिवार्य रूप से गरम भोजन और पूरक पोषण प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट किया कि स्कूलों में योजना के संचालन की लगातार जमीनी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और भोजन पकाने के लिए नियमित रूप से रसोई गैस (एलपीजी ईंधन) की आपूर्ति सुनिश्चित हो। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना और सेंट्रल किचन के माध्यम से भोजन पकाने की व्यवस्था पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों और उनके आस-पास स्थित स्कूलों में पीएम पोषण शक्ति योजना के तहत सेंट्रल किचन के माध्यम से भोजन तैयार कर सप्लाई किया जाना चाहिए, ताकि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता का स्तर उत्कृष्ट रहे। योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पोषण से जोड़ते हुए मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भोजन तैयार करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों को सब्जी और मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें। इससे स्कूलों में बच्चों को ताजी व हरी सब्जियां मिलेंगी और साथ ही इन महिला समूहों की आमदनी में भी इजाफा होगा। बैठक में अधिकारियों ने योजना से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े साझा किए। राज्य के 56 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में यह योजना संचालित है। इन स्कूलों के माध्यम से 29 लाख से अधिक विद्यार्थियों को दैनिक रूप से गरम भोजन और पूरक पोषण दिया जा रहा है।

मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प : भाजपा का विशेष जनसंपर्क अभियान गांव-गांव तक पहुंचा

रायपुर। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुशासन, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने नगरी मंडल के विभिन्न गांवों का दौरा कर केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई। अभियान की शुरुआत ग्राम बोडरा स्थित शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ की गई। इसके बाद जिला अध्यक्ष ने ग्राम बोडरा, भोथली, भैंसासकरा और हिन्छापुर में सरपंचों, पुजारियों, प्रबुद्धजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा की। प्रकाश बैस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के गांवों और शहरों में विकास की नई इबारत लिखी गई है। सड़क, बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होने से ग्रामीण जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जनसंपर्क अभियान के दौरान भाजपा नेताओं ने ग्राम रामनगर हिन्छापुर पहुंचकर शहीद आदित्य साहू के परिजनों से भेंट की।

उप मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से दिव्यांग जीवराखन पटेल को मिली स्कूटी

- त्वरित पहल से आवागमन और व्यवसाय दोनों को मिली नई दिशा

रायपुर/ संवाददाता

संवेदनशील जनसेवा और त्वरित समाधान की मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने दिव्यांग हितग्राही की मांग को केवल सुना ही नहीं, बल्कि एक दिन के भीतर पूरा भी कराया। ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग श्री जीवराखन पटेल ने आवागमन और रोजगार में हो रही कठिनाइयों को लेकर स्कूटी की मांग रखी थी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन उन्हें स्कूटी उपलब्ध कराई गई। आज कवर्धा विधायक कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ने जीवराखन पटेल को स्कूटी प्रदान की। कबीरधाम जिले के ग्राम नेऊरगांव खुर्द में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग श्री जीवराखन पटेल ने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से मुलाकात कर आवागमन में होने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया था। उन्होंने अपनी दैनिक गतिविधियों और रोजगार से जुड़े कार्यों में सुविधा के लिए सहायक उपकरणयुक्त स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश। उनकी संवेदनशील पहल का परिणाम रहा कि सिर्फ एक दिन के भीतर जीवराखन पटेल को विधायक कार्यालय, कवर्धा में स्कूटी प्रदान कर दी गई। स्कूटी प्राप्त करने के बाद जीवराखन पटेल की खुशी देखते ही बन रही थी। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने घर के लिए एक छोटी फोटो फ्रेमिंग की दुकान संचालित करते हैं। अब स्कूटी मिलने से न केवल उनके व्यक्तिगत आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे वे अधिक आत्मनिर्भर होकर अपने कार्यों का विस्तार कर सकेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने जीवराखन पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूटी का उपयोग करते समय यातायात नियमों का पालन, अपनी तथा अन्य लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखने और हेलमेट का नियमित उपयोग करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने जीवराखन पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा हमेशा क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान और जरूरतमंदों की सहायता के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हैं। जनदर्शन के माध्यम से लोगों को त्वरित राहत और सहायता मिल रही है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जैविक खेती अपनाकर बचाएं अपनी सेहत और जमीन-राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

अंधाधुंध रासायनिक खाद से बढ़ रहा कैंसर का खतरा-मंत्री

- सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 'खेती बचाओ अभियान' और 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला' का आयोजन
- एक पेड़ मां के नाम' का पौधारोपण, हितग्राहियों को बांटे राशन कार्ड और जैविक खाद

रायपुर/ संवाददाता

किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करने तथा टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को सारंगढ़ के कृषि उपज मंडी प्रांगण में 'प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला' तथा 'खेती बचाओ अभियान' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। साथ ही उन्होंने 'गौ ग्राम जनजागरण वाहन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने रासायनिक खादों के अंधाधुंध उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले लोग नाममात्र का रासायनिक खाद उपयोग करते थे और खुद से तैयार गोबर व केंचुआ खाद खेतों में डालते थे। आज उत्पादन बढ़ाने की होड़ में प्रति एकड़ उत्पादन 8-9 क्विंटल से बढ़कर 35 से 40 क्विंटल तक पहुंच गया है, लेकिन हम अनाज के साथ जहर (रसायन और कीटनाशक) भी खा रहे हैं। यही कारण है कि आज अस्पतालों और मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हम जो पैसा मेहनत करके कमा रहे हैं, वह घूम-फिरकर अस्पतालों में जा रहा है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि पंजाब में फसल का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है, लेकिन आज देश में सबसे ज्यादा कैंसर रोगी भी वहीं हैं। वहाँ से एक ट्रेन चलती है जिसे लोग 'कैंसर ट्रेन' के नाम से जानते हैं। आज छत्तीसगढ़ में भी ऐसे लोग कैंसर के शिकार हो रहे हैं जो किसी प्रकार का नशा या तंबाकू का सेवन नहीं करते। इसका मुख्य कारण भोजन के माध्यम से शरीर में पहुँचने वाला केमिकल है। इसका एकमात्र समाधान जैविक खेती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के विजन को साझा करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसानों की तरक्की से ही छत्तीसगढ़ की तरक्की संभव है क्योंकि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि सरकार 'मोदी की गारंटी' को पूरा करते हुए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल के मान से कर रही है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिन भूमिहीन कृषि मजदूरों के पास खुद की जमीन नहीं है, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना' लागू की गई है।

संपादकीय

फ्रांस और स्लोवाकिया से मजबूत होगी रणनीतिक साझेदारी

इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से जिस तरह के मनमाने फैसले दूसरे देशों पर थोपे जा रहे हैं, उससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से भारत जैसे विकासशील देश सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने और उसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए विकल्प तलाशने तथा पहले से स्थापित साझेदारी को विस्तार देने को लेकर भारत के प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। इस क्रम में अब भारत, फ्रांस और स्लोवाकिया के बीच आपसी संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने की सहमति बनी है।फ्रांस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना कर 32 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा रेल सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह स्लोवाकिया से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग समेत कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के लिए ग्यारह समझौते किए गए हैं।ये समझौते इसलिए अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि इससे अमेरिका के विकल्प के रूप में भारत की पहुंच अन्य विदेशी बाजारों तक बढ़ेगी। साथ ही इससे 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी गति मिलेगी, जो देश के आत्मनिर्भर होने के लिए बेहद जरूरी है।गौरतलब है कि अमेरिका ने पिछले वर्ष भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाया था, जिसका सीधा असर देश के निर्यात पर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका ने इस शुल्क को कम कर दिया था, लेकिन भारत ने इसे एक सबक की तरह लिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए दुनिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयास शुरू किए। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते इन्हीं प्रयासों का नतीजा हैं।अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे के दौरान इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के साथ साझेदारी को विस्तार देने का प्रयास किया है। फ्रांस के साथ तेरह मुद्दों पर सहमति बनी है, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश, तकनीक, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग शामिल हैं।इस दौरान फ्रांस से 114 रफाल लड़ाकू विमान खरीदने की भारत की योजना पर भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि भारत ने किसी भी रक्षा मंच के मामले में इस आधार पर आगे बढ़ने पर जोर दिया, जिसमें देश की अधिक से अधिक स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल हो और रक्षा उत्पादों का विनिर्माण भी देश की धरती पर हो।इसी तरह भारत और स्लोवाकिया ने डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए ग्यारह समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की युवा आबादी, कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार देश की आर्थिक प्रगति की सबसे बड़ी पूंजी हैं।किसी भी देश के आर्थिक विकास में केवल प्राकृतिक संसाधनों, पूंजी या तकनीक का योगदान नहीं होता, बल्कि इसमें मानव संसाधन का भी अहम स्थान होता है। इसकी गुणवत्ता और उत्पादकता की विकास में बड़ी भूमिका होती है। मानव संसाधन में उन लोगों को सम्मिलित किया जाता है, जो अपनी शारीरिक, बौद्धिक, तकनीकी तथा प्रबंधकीय क्षमता से उत्पादन और विकास की प्रक्रिया में अमूल्य योगदान करते हैं।भारत दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाले देशों में से एक है। इसकी लगभग पैंसठ फीसद जनसंख्या पैंतीस वर्ष से कम आयु के युवाओं की है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत युवा आबादी, कौशल विकास से बनेगी आर्थिक महाशक्ति

(अजय जोशी)

यह युवा शक्ति देश की अमूल्य संपत्ति है। यदि युवाओं में बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल का विकास किया जाए, तो वे देश की आर्थिक वृद्धि को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।भारतीय अर्थव्यवस्था के तीनों महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों–प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र - में रोजगार तथा मानव संसाधन की स्थिति अलग-अलग है। कृषि प्राथमिक क्षेत्र है, जो किसी भी देश में बहुत बड़े कार्यबल को रोजगार देती है। निर्माण वाले द्वितीयक क्षेत्र की उत्पादन में और सेवाओं वाले तृतीयक क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में अहम भूमिका होती है।नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय के श्रमबल सर्वेक्षण के अनुसार, तीनों क्षेत्रों में प्राथमिक क्षेत्र कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन और खनन जैसी गतिविधियों से जुड़ा है। रोजगार के लिहाज से देखें, तो भारत के कुल मानव संसाधन का लगभग चालीस फीसद हिस्सा आज भी प्राथमिक क्षेत्र में कार्यरत है।भारत की जनसंख्या वर्ष 2025-26 में लगभग 143 करोड़ से अधिक आंकी जाती है। इसमें कार्यशील आयु वर्ग की जनसंख्या कुल आबादी का लगभग 67 फीसद है। यह स्थिति भारत के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण है। मानव संसाधन उत्पादन का सबसे अहम घटक है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र, सभी में प्रशिक्षित और कुशल श्रमिक उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हैं।देश की जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 55 फीसद से अधिक है। इसका भी प्रमुख आधार प्रशिक्षित मानव संसाधन है। सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसे क्षेत्रों में लाखों भारतीय पेशेवर देश की आय और विदेशी मुद्रा अर्जन में योगदान दे रहे हैं।

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, उन्नत बीजों, सिंचाई और वैज्ञानिक खेती के प्रसार में प्रशिक्षित मानव संसाधन की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। हरित क्रांति के बाद कृषि उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह वृद्धि केवल तकनीक के कारण नहीं, बल्कि किसानों के प्रशिक्षण के कारण संभव हुई। मानव संसाधनों की जरूरत उद्योगों के विकास के लिए भी होती है। वहां कुशल श्रमिक, इंजीनियर, प्रबंधक और तकनीशियन आवश्यक होते हैं। ऑटोमोबाइल, दवा उद्योग, इस्पात और इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों की सफलता के पीछे प्रशिक्षित मानव शक्ति की बड़ी भूमिका है। विशेष रूप से भारतीय औषधि उद्योग विश्व के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादकों में गिना जाता है। इसमें लाखों वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का योगदान है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में लगभग पचास लाख से अधिक पेशेवर कार्यरत हैं। सॉफ्टवेयर निर्यात, डिजिटल सेवाएं और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग के माध्यम से भारत को अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां मानव संसाधन आधारित विकास के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। शिक्षा मानव संसाधन विकास का आधार है। शिक्षा व्यक्ति की उत्पादकता, नवाचार क्षमता और आय अर्जित करने की योग्यता को बढ़ाती है। भारत में साक्षरता दर स्वतंत्रता के समय लगभग 18 फीसद थी, जो अब 77 फीसद से अधिक हो चुकी है। उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत में 1,100 से अधिक विश्वविद्यालय, 45 हजार से अधिक महाविद्यालय, हजारों तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान कार्यरत हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं की बढ़ती संख्या देश को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ा रही है। मगर अर्थव्यवस्था में केवल शिक्षा ही

पर्याप्त नहीं है, कौशल भी बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। इसके अंतर्गत 'स्किल इंडिया मिशन' और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इत्यादि प्रमुख हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करना है। स्वस्थ मानव संसाधन ही देश का उत्पादक मानव संसाधन होता है। बीमारी और कुपोषण श्रम उत्पादकता को कम कर देते हैं। भारत में औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 70 वर्ष से अधिक हो चुकी है, जबकि शिशु मृत्यु दर में भी निरंतर कमी आई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, टीकाकरण कार्यक्रमों और पोषण योजनाओं ने मानव संसाधन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है। मानव संसाधन में महिलाओं की भूमिका भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वे भारतीय अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। शिक्षा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि से महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। कृषि, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में यदि महिला श्रम भागीदारी दर में और वृद्धि की जाए, तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। मानव संसाधन केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह रोजगार सृजन भी करता है। भारत विश्व के सबसे बड़े नवउद्यम पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है। नवाचार, तकनीकी ज्ञान और उद्यमशीलता के कारण बड़ी संख्या में नए उद्यम स्थापित हुए हैं, जिन्होंने लाखों रोजगार सृजित किए हैं। युवा उद्यमी डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटेक, ई-कॉमर्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं पैदा कर रहे हैं। इतना सब कुछ होते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में मानव संसाधनों से जुड़ी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इनमें बेरोजगारी बड़ी समस्या है। अधिकांश मामलों में उद्योगों की आवश्यकता और युवाओं के कौशल के बीच काफी अंतर पाया जाता है। इस कारण शिक्षित होकर भी वे उद्योगों के लिए अधिक उपयोगी नहीं रह पाते। शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में काफी असमानता है। इस कारण शिक्षित होते हुए भी वे अर्थव्यवस्था के अनेक क्षेत्रों में उपयोगी साबित नहीं हो पाते। देश में महिला कार्यबल की भागीदारी अभी भी कई विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। जबकि भारत की युवा आबादी आगामी दशकों में आर्थिक विकास का सबसे बड़ा आधार बन सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और कौशल विकास में निरंतर निवेश करता है, तो वह विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। मानव संसाधन भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में प्रभावी नीतियों के माध्यम से मानव संसाधन को उत्पादक मानव पूंजी में परिवर्तित किया जा सकता है।

जागरूकता और सर्तकता से ही निदान संभव

प्रो. मनोज कुमार

16 साल की छात्रा सुनीता खेलना चाहती है लेकिन जल्दी थक जाने से उसका मन उदास रहता है। इसके बावजूद वह निराश नहीं है और डॉक्टर की सलाह मानकर फिलहाल पढ़ाई पर ध्यान दे रही है। वहीं 24 साल की संगीता का कहना था कि शादी के बाद मुझे पता चला कि मुझे सिकलसेल है। पहले तो डर लग गया था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने इसे समझना शुरू किया। गर्भावस्था के समय ज्यादा सावधानी रखनी पड़ी। परिवार का सहयोग मिला तो जीवन थोड़ा आसान हो गया। परेशान तो 18 के साल का रमेश भी है और उसे लगता था कि ऐसा क्या हुआ कि उसका किसी काम में मन नहीं लगता। शरीर में असहनीय दर्द होने लगा लेकिन डॉक्टर के परामर्श के बाद समय पर दवा लेने और लगातार पानी पीने से वह बेहतर महसूस कर रहा है। ये वो सारे लोग हैं जिन्हें सिकलसेल रोग ने घेर रखा है। (सभी परिवर्तित नाम) बचपन से लेकर उम्रदराज होते लोगों में यह बीमारी पायी जाती है। यह ऐसी अदृश्य और गंभीर आनुवंशिक चुनौती है, जिसके बारे में आज भी समाज में जागरूकता की भारी कमी है। अक्सर लोग इसे सामान्य एनीमिया (खून की कमी) समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि यह एक जटिल वंशानुगत रक्त विकार है। 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में यूनाइटेड नेशन ने 2008 में मान्यता दी थी। इसका उद्देश्य सिकल सेल रोग को एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचान दिलाना और इसके प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस सिकल सेल रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने, समय पर जांच और उपचार को बढ़ावा देने तथा रोग से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

यह बीमारी न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ती है, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज के आर्थिक-सामाजिक ढांचे को भी गहराई से प्रभावित करती है। भारत जैसे देश में, जहाँ की एक बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रहती है, इस बीमारी का सही समय पर निदान और प्रबंधन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिकलसेल के खिलाफ अभियान की शुरूआत की थी। तय किया गया है कि आने वाले 2047 तक देश को सिकलसेल रोग मुक्त बनाया जाएगा।

यहां जान लेना जरूरी है कि सिकल सेल रोग आखिर है क्या? इस बारे में डॉक्टरों के अनुसार शरीर में रक्त का प्रवाह लाल रक्त कोशिकाओं के माध्यम से होता है। सामान्य स्थिति में ये कोशिकाएं गोल, चिकनी और लचीली होती हैं, जो ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के सभी अंगों तक आसानी से पहुँचाती हैं। गोल आकार के कारण ये खून की अत्यंत पतली नसों में भी बिना किसी रुकावट के तैरती रहती हैं। इसके विपरीत, सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्ति के शरीर में ये कोशिकाएं कड़क, चिपचिपी और हँसिए के आकार की हो जाती हैं। आकार में आए इस दोषपूर्ण बदलाव के कारण शरीर में मुख्य रूप से दो बड़ी समस्याएं उत्पन्न होती हैं-रक्त प्रवाह में अवरोध, हँसिए के आकार की कड़क कोशिकाएं लचीली नहीं होतीं। जब ये छोटी रक्त वाहिकाओं से गुजरती हैं, तो आपस में उलझकर नस को ब्लॉक कर देती हैं। इससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन और पोषण नहीं पहुँच पाता, जिससे असहनीय दर्द का दौरा पड़ता है। इसे चिकित्सकीय भाषा में 'सिकल सेल क्राइसिस' (स्द्धष्द्मद्द ष्टद्गद्यद्य ष्टद्बह्यद्बह्य) कहा जाता है। क्रोनिक एनीमिया (खून की कमी) एक सामान्य गोल लाल रक्त कोशिका का जीवनकाल लगभग 120 दिनों का होता है। वहीं, सिकल सेल वाली दोषपूर्ण कोशिकाएं इतनी कमजोर होती हैं कि वे मात्र 10 से 20 दिनों में ही टूटकर नष्ट हो जाती हैं। बोन मैरो (अस्थि मज्जा) इतनी तेजी से नई कोशिकाओं का निर्माण नहीं कर पाता, जिसके परिणामस्वरूप मरीज के शरीर में हमेशा खून की भारी कमी बनी रहती है।

बीमारी के प्रमुख लक्षण और प्रभावसिकल सेल के लक्षण बचपन में ही (लगभग 5 से 6 महीने की उम्र में) दिखाई देने लगते हैं। इसके पीड़ित को तीव्र और असहनीय दर्द इस बीमारी का सबसे भयानक रूप है। नसों में रुकावट के कारण हड्डियों, सीने, पीठ, हाथ और पैरों में अचानक तेज दर्द उठता है जो कई दिनों तक रह सकता है। रक्त प्रवाह बाधित होने से बच्चों के हाथों और पैरों की उंगलियों में दर्दनाक सूजन आ जाती है। सिकल सेल रोग शरीर की तिल्ली को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का मुख्य हिस्सा है। इस कारण मरीजों को निमोनिया और अन्य जानलेवा संक्रमण जल्दी पकड़ते हैं। निरंतर खून की कमी से मरीज हमेशा थका हुआ रहता है। लाल कोशिकाओं के तेजी से नष्ट होने के कारण आँखों में पीलापन (पीलिया) आ जाता है। पीड़ित बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी सामान्य बच्चों की तुलना में धीमा होता है।

यह भी कि सिकल सेल रोग केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह प्रभावित परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में धकेल देता है। इस बीमारी के इलाज के लिए जीवनभर दवाइयां (जैसे हाइड्रोक्सीयूरिया), नियमित रक्त परीक्षण और बार-बार ब्लड ट्रांसफ्यूजन (रक्त चढ़ाने) की आवश्यकता होती है। कई बार ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए यह मासिक खर्च उनके बजट से बाहर होता है। मरीज की देखभाल के लिए परिवार के कमाऊ सदस्यों को अपनी मजदूरी या नौकरी छोड़नी पड़ती है। सिकल सेल आनुवंशिक होने के कारण, प्रभावित परिवारों के युवाओं को विवाह के बाजार में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यदि किसी महिला को यह बीमारी है, तो उसे अक्सर पारिवारिक और वैवाहिक उपेक्षा झेलनी पड़ती है।

आमतौर इस रोग के बारे में शिक्षित ना होने के कारण यह मान लिया जाता है कि सिकल सेल रोग छुआछूत से होता है, वास्तविकता यह है कि यह कोई छुआछूत की बीमारी नहीं है। यह पूरी तरह से वंशानुगत रोग है। दो सिकल सेल पीड़ित विवाह करते हैं, तब होने वाली संतान में यह रोग होने के 25 फीसदी चांस होता है। मरीजों को भरपूर पानी पीना चाहिए (ताकि खून गाढ़ा न हो), संतुलित आहार लेना चाहिए और संक्रमण से बचने के लिए समय पर टीकाकरण करवाना चाहिए।

गुमनाम पार्टी में क्यों शामिल हुए टीएमसी के नामी सांसद?

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिस एनसीपीआई में यह विलय हुआ है, उसका अब तक का राजनीतिक अस्तित्व लगभग नगण्य रहा है। 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस दल ने चार उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी, लेकिन आखिरकार तीन सीटों पर ही चुनाव लड़ पाया।तृणमूल कांग्रेस में उठी बगावत ने राष्ट्रीय राजनीति को ऐसा मोड़ दे दिया है जिसकी गूंज आने वाले महीनों तक सुनाई दे सकती है। हम आपको बता दें कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने अचानक एक लगभग गुमनाम दल नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी एनसीपीआई में विलय का ऐलान कर दिया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अलग समूह के तौर पर मान्यता तथा सदन में अलग बैठने की मांग कर डाली। इस घटनाक्रम ने केवल बंगाल की राजनीति को नहीं हिलाया।

(नीरज कुमार दुबे)

दलबदल कानून, विपक्ष की एकजुटता और संसद की शक्ति संतुलन की बहस को भी फिर से केंद्र में ला खड़ा किया है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिस एनसीपीआई में यह विलय हुआ है, उसका अब तक का राजनीतिक अस्तित्व लगभग नगण्य रहा है। 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस दल ने चार उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी, लेकिन आखिरकार तीन सीटों पर ही चुनाव लड़ पाया। पार्टी के उम्मीदवारों का प्रदर्शन इतना कमजोर रहा कि वे कई जगह नोटा से थोड़ा ही आगे निकल सके। त्रिपुरा की चावमानु सीट पर पार्टी उम्मीदवार बरजेदा त्रिपुरा को केवल 536 वोट मिले, जबकि नोटा को 500 वोट प्राप्त हुए। कैलाशहर सीट पर पार्टी को मात्र 286 वोट मिले। कुल मिलाकर दो सीटों पर एनसीपीआई को सिर्फ 822 वोट हासिल हुए थे।

खास बात यह भी है कि इस पार्टी का चुनाव चिह्न 'पेन की निब' है और इसने नारा दिया था, अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दलबदलुओं को नकारें। लेकिन राजनीति की विडंबना देखिए कि अब वही दल देश के सबसे चर्चित दलबदल का मंच बन गया है। वैसे इस पूरे घटनाक्रम के पीछे केवल नाराजगी नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक रणनीति दिखाई दे रही है। बागी सांसदों का मकसद सीधे भाजपा में जाना नहीं, बल्कि पहले एक अलग राजनीतिक पहचान बनाकर दलबदल कानून से बचना माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत यदि किसी दल के दो तिहाई विधायक या सांसद किसी दूसरे दल में विलय करते हैं, तो उन्हें अयोग्यता से राहत मिल सकती है। इसी कानूनी रास्ते का इस्तेमाल करते हुए बागी गुट खुद को असली तृणमूल साबित करने की जमीन तैयार कर रहा है।

तृणमूल के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने साफ कहा है कि अभी उन्होंने एनसीपीआई में विलय किया है, लेकिन संसद का अगला सत्र शुरू होने पर वह तृणमूल नाम और पहचान पर दावा करेंगे। उनका कहना है कि दो तिहाई सांसद उनके साथ हैं, इसलिए वास्तविक राजनीतिक अधिकार भी उसी गुट के पास होना चाहिए। दूसरी ओर, टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट वाले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि केवल विधायी दल का टूटना पर्याप्त नहीं होता, मूल राजनीतिक दल का विलय भी जरूरी है।

देखा जाये तो यही वह बिंदु है जहां यह लड़ाई केवल संख्या की नहीं, बल्कि कानूनी और संवैधानिक व्याख्या की बन जाती है। तृणमूल कांग्रेस का तर्क है कि पार्टी सर्वोपरि है, सांसद नहीं। जबकि बागी गुट संख्या बल के आधार पर वैधता चाहता है। इस टकराव का अंतिम फैसला अब अदालत और लोकसभा अध्यक्ष की व्याख्या पर निर्भर करेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि इस घटनाक्रम की तुलना 2016 के अरुणाचल प्रदेश संकट से भी की जा रही है। तब कांग्रेस के अधिकांश विधायक पहले पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल में गए और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उसी रास्ते ने भाजपा को पूर्वोत्तर में पहली पूर्ण सरकार दी थी। अब तृणमूल के भीतर भी वैसी ही पटकथा दिखाई दे रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार दांव बंगाल की सबसे बड़ी विपक्षी शक्ति पर लगा है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह ममता बनर्जी के नेतृत्व के लिए सबसे बड़ा झटका माना जाएगा।

शांति वार्ता कितनी कारगर

अशोक सेन

कल अमेरिका और ईरान के बीच फ्रांस में पेरिस के पास वर्साय के महल में युद्ध विराम की संधि हुई है। यह वही वर्साय का महल है कहा प्रथम विश्व युद्ध के बाद 1919 में जर्मनी और एलायंस राष्ट्रों के मध्य हुई थी। संधि के बाद फ्रांसीसी जनरल फर्डिनेंड फॉर्च ने कहा था कि यह संधि नहीं 20 वर्षों का संघर्ष विराम है।वास्तव में उनकी भविष्य वाणी सही साबित हुई और 1 सितंबर 1939 को ठीक 20 वर्ष बाद द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया। जर्मनी के अधिकारियों को युद्ध बंदियों की तरह खड़ा रखा गया उनको बैठने के लिए कुर्सी तक नहीं दी गई।युद्ध जुर्माने के रूप में उनके महत्वपूर्ण स्थानों को अपने कब्जे में लिया ।मित्र राष्ट्रों द्वारा जर्मनी पर बहुत अपमानजनक और शर्तें लाद दी गई थी।इसके फलस्वरूप दो तानाशाहों का उदय हुआ एक जर्मनी में हिटलर के रूप में और दूसरा इटली में मुसोलिनी। जर्मन के हिटलर ने यहूदियों पर नस्लीय अत्याचार किए फिर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इजरायल का जन्म हुआ। क्या मानव ने इतिहास से कुछ सबक लिया या यूँही यह चक्र चलता रहेगा?सिर्फ पात्र और समय बदल रहा है? क्या इतिहास में गलती हुई वही वापस हो रही है। 1919 के बाद 2026 में वही कांच का बना वर्साय का महल है।किरदार बदले है पता नहीं भविष्य में क्या होगा। 1919 में जर्मनी को इसके लिए एकमात्र दोषी ठहराया गया था।जबकि 2026 में दोषी कौन है? हार किसकी हुई क्या युद्ध शुरू करने के जो उद्देश्य थे वो प्राप्त हो गये ?यदि नहीं तो कौन हारा सबसे बुरी स्थिति में शायद इजरायल है।हमास,हिजबुल्ला खत्म नहीं हुवे और लेबनान में अभी भी इजरायल की सेना मैदान में है। अमेरिका ने कोई भी युद्ध कभी भी अपनी जमीन पर नहीं लड़ा।लेकिन आर्थिक नुकसान तो जरूर हुआ है।युद्ध का कोई नतीजा स्पष्ट नहीं दिख रहा। ईरान में आज खामनेई शासन मजबूत स्थिति में है और आई आर जी सी की पकड़ बनी हुई है।ईरान के परमाणु भंडार अभी भी सुरक्षित है।अमेरिका जो ' झुकेगा नहीं साला' की कंडीशन में था अब नहीं है। यू एन ओ जैसी संस्थाओं का कही भी असर युद्ध के दौरान नहीं दिखा वह असहाय सी लग रही है।शायद संयुक्त राष्ट्र संघ को समाप्त करने का समय आ गया है।

इस युद्ध के बाद नया वर्ड आर्डर देखने को मिलेगा।

पश्चिमी एशिया और मध्य एशिया की रणनीति बदली बदली नजर आएगी।अरब के देश ज्यादा सतर्क होकर फैसले लेंगे।किसी के भरोसे रहने का अंजाम बखूबी भुगत चुके है।

भारत को अपनी घरेलू खपत के लिए ऊर्जा जरूरतों पर खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए।ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों पर जोर दे।अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में कोई स्थायी शत्रु या मित्र नहीं होता,स्थायी होती है राष्ट्रीय संप्रभुता और अपने राष्ट्रीय हित।

वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिना की नीति के कारण भारत को ही नए वर्ड आर्डर का नेतृत्व देर सवेर करना ही होगा।इसी में मानवता की भलाई है।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवीन प्रवेश उत्सव मनाया गया

दल्लीराजहरा। सरस्वती विद्यालय दल्ली राजहरा में नवीन सत्र में प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र साहू, विशिष्ट अतिथि के रूप में धनेश्वरी यादव उपस्थित रहे तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य किशन साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, परमपूज्य ओम, मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। विद्यालय की प्राचार्य किशन साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि नया सत्र और नए बच्चे, एक नई उमंग के साथ पूरे वर्ष अच्छे से पढ़ाई करेंगे अच्छे परीक्षा परिणाम प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने नए सत्र में प्रवेश हेतु समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई दी। चंपा साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं गायत्री परिवार की एक सदस्य हूं और अपने घर के बच्चों को सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ाने की इच्छा रखती थी, जो पूरी हुई। आशा है कि इस विद्यालय से सभी बच्चों को बहुत अच्छी शिक्षा प्राप्त होगी। कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम् गीत एवं समापन मंत्र से किया गया। इस कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं सरस्वती शिक्षा समिति के सभी सदस्य, पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के नरेंद्र ग्वाल ने किया। इस कार्यक्रम की जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रसार प्रमुख प्रवीण कुमार ने दिया।

12वां विश्व योग दिवस : योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज का निर्माण करें- महेश कश्यप

बस्तर सांसद महेश कश्यप के मुख्य आतिथ्य में सुकमा में मनाया गया

सुकमा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सुकमा स्थित ज्ञानोदय आत्मानंद स्कूल, कुम्हारास में जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम में महिला आयोग सदस्य दीपिका शोरी, नगर पालिका अध्यक्ष हुंगाराम मरकाम, उपाध्यक्ष भुनेश्वरी यादव, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। योग प्रशिक्षक पंडित रामनारायण मिश्रा ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पवनमुक्तासन, अर्धचक्रासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, प्राणायाम एवं ध्यान सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास करते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि परंपरा की अमूल्य धरोहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

उन्होंने लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की संपूर्ण पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन प्रसन्न और कार्यक्षमता बेहतर होती है। उन्होंने नागरिकों से प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट योग करने की अपील करते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में स्वस्थ समाज की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग में संविदा भर्ती के तहत चयनित कर्मचारियों को सांसद महेश कश्यप ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर, जिला खेल अधिकारी विरुपाक्ष पौराणिक, उप संचालक समाज कल्याण संजय पांडे, आयुष अधिकारी डॉ. गौतम सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर टाटामारी में हुआ भव्य योगाभ्यास, प्रकृति संरक्षण का भी दिया संदेश

केशकाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केशकाल के ईको-पर्यटन स्थल टाटामारी में भव्य योग शिविर एवं सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। प्राकृतिक वादियों और हरियाली से घिरे टाटामारी में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। योग प्रशिक्षण एवं अभ्यास का संचालन योग प्रशिक्षक सुनील चौरडिया द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास तनाव को कम करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ईको-पर्यटन स्थल टाटामारी की प्राकृतिक सुंदरता के बीच आयोजित इस कार्यक्रम ने योग और पर्यावरण संरक्षण के गहरे संबंध को भी रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण और नियमित योगाभ्यास दोनों ही आवश्यक हैं। उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। वन विभाग द्वारा कार्यक्रम स्थल पर उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई थीं, जिसकी सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सराहना की। अनुशासित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के कारण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। योग शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य, फिटनेस और प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह आयोजन न केवल योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला रहा, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने वाला एक सार्थक प्रयास भी साबित हुआ।

कार्यक्रम में केशकाल न.पं अध्यक्ष बिहारीलाल शोरी, भाजपा जिला अध्यक्ष सेवकराम नेताम, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पीलाबाई जैन, राजकिशोर राठी, वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम, एसडीएम आकांक्षा नायक, एसडीओ सुषमा नेताम, तहसीलदार गणेश सिदार सहित स्थानीय नगरवासी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनएमडीसी किरंदुल द्वारा स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम के साथ योग दिवस का किया गया आयोजन

किरंदुल। विश्व योग दिवस के 12वें संस्करण के अवसर पर नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी) की किरंदुल परियोजना ने विद्यालय बीआईओपी के सभागार में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया।इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में एनएमडीसी के कर्मचारियों, विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस थीम ने व्यक्तिगत स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया,जिसे इस आयोजन ने प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण ने दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत भाषण के साथ किया। अपने संबोधन में नारायण ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, योग केवल एक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह एक जीवन शैली है जो हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे बताया कि एनएमडीसी,एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक के रूप में, न केवल खनन क्षेत्र में बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के लिए भी प्रतिबद्ध है।योग जैसे आयोजनों के माध्यम से, संगठन अपने कर्मचारियों और समुदाय के बीच समग्र कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

योग सत्र में सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया, जो आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित है।इस प्रोटोकॉल में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, और शवासन जैसे आसनों के साथ-साथ अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम शामिल थे।

सत्र का समापन ध्यान और शांति मंत्र के साथ हुआ,जिसने सभी प्रतिभागियों में मानसिक शांति और ऊर्जा का संचार किया।मौके पर योग शिक्षक नरोत्तम ध्रुव,

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी आमाबेड़ा से हुआ गिरफ्तार

केशकाल। शादी का प्रलोभन देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में केशकाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने थाना केशकाल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अगस्त 2025 में आरोपी ईश्वर जैन ने शादी करने का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह पीड़िता को अपने साथ तमिलनाडु ले गया, जहां दोनों एक ही कमरे में पति-पत्नी की तरह रहने लगे। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। पीड़िता का आरोप है कि गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर आरोपी ने जरूरी काम बताकर गांव लौटने और बाद में शादी करने का आश्वासन दिया, लेकिन वापस नहीं आया। बाद में जब पीड़िता केशकाल पहुंचकर आरोपी से मिली और शादी की बात कही, तो उसने शादी से इनकार कर दिया तथा अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आरोपी ईश्वर जैन (38 वर्ष), निवासी ग्राम चिखली, थाना आमाबेड़ा, जिला कांकेर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया गया सामूहिक योगा अभ्यास

सरायपाली। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के द्धअवसर पर नई कृषि उपज मंडी में स्वस्थ आयु के लिए योग विषय पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया । आयोजित भव्य योग प्रशिक्षण एवं सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा जिला मंत्री महासमुंद कुमारी भास्कर ने भाग लिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों, कर्मचारियों, तथा विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योग के प्रति अपनी जागरूकता एवं प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। प्रातःकाल आयोजित योग सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम के माध्यम से नियमित योगाभ्यास को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि आज की व्यस्त एवं तनावपूर्ण जीवनशैली में योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति के साथ-साथ संस्था की कार्यसंस्कृति भी सुदृढ़ होती है। योग दिवस के अवसर पर कुमारी भास्कर ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है तथा विकास भी, विरासत भी की अवधारणा को साकार करता है। कुमारी भास्कर ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, जागरूक एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने तथा योग को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

किरंदुल भाजपा मंडल में उत्साह के साथ मनाया विश्व योग दिवस

किरंदुल। स्वस्थ जीवन और बेहतर दिनचर्या का संदेश देते हुए रविवार को कोड़ेनार पंचायत भवन प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। भाजपा किरंदुल मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह आयोजन सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरपंच मीना मंडावी एवं उपसरपंच तपन दास सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया। इसके बाद हरिद्वार से प्रशिक्षित पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी योग शिक्षक संजीव दास कार्यक्रम के सह प्रभारी आनंद कुमार चुत्रम ने निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार सभी को योगाभ्यास कराया। उन्होंने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की जानकारी देते हुए योग को नियमित जीवनशैली में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से योग पूरे विश्व में पहचान बना चुका है और भारतीय संस्कृति का गौरव बढ़ा रहा है। उन्होंने सभी से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। जिला उपाध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा मंडल महामंत्री मोहित धवन ने योग को स्वस्थ और सकारात्मक जीवन का आधार बताते हुए कहा कि योग अब एक वैश्विक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होने विकसित भारत 2047 का संकल्प दिलाया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने देश को मजबूत और समृद्ध बनाने का प्रण लिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, जिला उपाध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा कार्यक्रम प्रभारी संजीव दास, मंडल महामंत्री मोहित धवन, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुखदेव पोयम महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेमशिला मिश्रा अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष आनंद कुमार चुत्रम महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बबीता गिरी आर्थिक प्रकोष्ठ सहसंयोजक राजेश बेपरल आर सी नाहक सिंहासन गुप्ता प्रीति दूधी सुषमा साहू सविता पिंकी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नेताओं एवं शासकीय नुमाईदों ने किया योगाभ्यास अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शामिल हुए नागरिकगण

डोंगरगांव नगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर में पीएमश्री आत्मानंद स्कूल में ब्लाक स्तरीय आयोजन हुआ। योग दिवस पर अनुभाग मुख्यालय के अफसर, जनप्रतिनिधिगण, नेतागण सहित स्थानीय गणमान्यजनों ने सम्मिलित होकर योग प्रदर्शन किया। इस मौके पर विभागों द्वारा काढ़ा व अंकुरित स्वल्पाहार सहित शीतल पेयजल वितरित किया गया। प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित योग दिवस के मौके पर पंचूराम साहू सहित अन्य योगाचार्यों द्वारा अनुलोम, विलोम, प्रणायाम, भ्रामरी प्रणायाम, कपालभारती, भूजंगासन, ताड़ासन, दण्डासन, त्रिकोणांसन, भद्रासन, वृक्षासन सहित अन्य योगाभ्यास कराया गया। आयोजन में निकाय, जनपद पंचायत, शिक्षा, महिला एवं बालविकास सहित अनेक विभागों ने सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर अंकुरित स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई थी। इस अवसर पर पुर्व नपंअध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, जिला भाजपा महामंत्री डिकेश साहू, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, महामंत्री हेमंत चोपड़ा, गुलशन हिरवानी के अलावा एसडीएम श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, परियोजना अधिकारी वीरेंद्र साहू, एबीईओ जयंत साहू व सीएमओ विनम्र जेमा सहित नगर के अनेक गणमान्यजन सम्मिलित हुए।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वास, विकास एवं जनकल्याण अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय पंजीकरण शिविर का किया आयोजन

दल्लीराजहरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे विश्वास, विकास एवं जनकल्याण अभियान के अंतर्गत दल्ली राजहरा नगर में तीन दिवसीय पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण साहू ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्या और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें संबोधित करते हुए कहा की भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 12 साल पूर्ण कर लिए हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल में ऐसे कई बड़े फैसले लिए गए जिसके चलते भारत में बहुत बड़ा सामाजिक और आर्थिक बदलाव हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन अभियान चलाकर गांव शहर को स्वच्छ बनाया, शौचालय का निर्माण, जन धन योजना,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिलाएं चूल्हा जलाकर खाना बनाती थी जिससे उनकी आंखों में तकलीफ होती थी जिसे ध्यान में रखकर उज्ज्वला योजना, गरीब आदमी ठीक से इलाज नहीं कर पाते थे उनके लिए आयुष्मान योजना एवं मुस्लिम महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तीन तलाक को अपराध घोषित किया द्य वर्तमान में सफाई दीदियों के लिए चलाए जा रहे नमस्ते योजना के संबंध में जानकारी दी। नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने कहा कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद विकास, डिजिटल क्रांति, राष्ट्रीय सुरक्षा और जन कल्याणकारी योजनाओं पर विशेष जोर दिया। करोड़ों गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के आवास,शौचालय उपलब्ध कराये, जनधन योजना के तहत प्रत्येक लोगों का बैंकों में खाता खोला गया, सड़क के किनारे व्यापार करने वाले शहरी पथ विक्रेताओं के लिए पीएम स्व निधि योजना लागू कर उनके व्यापार को मजबूती प्रदान की गई द्यरक्षा और कूटनीति के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बख्शी ने बताया कि विश्वास विकास एवं जन कल्याणकारी अभियान का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें उनके अधिकारों और सुविधाओं का लाभ दिलाना है द्य शिविर मे पार्षद सुरेश जायसवाल भूपेंद्र श्रीवास, अरुणा रामटेके, स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, गोविंद साहू, इंद्र यादव, सुनील तारम, मनोज साहू, घन साय ठाकुर, अब्दुल कलीम, विक्रांत साहू, देव देवांगन शिवकुमार शर्मा, अभिजीत भगत, अकबर, लक्ष्मी सिंन्हा नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शादी समारोह में शराब के पैसे को लेकर विवाद, युवक का कान दांत से काटा; मल्हार पुलिस ने आरोपी को घंटों में दबोचा

बिलासपुर। मल्हार चौकी पुलिस ने शादी समारोह में शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में एक युवक का कान दांत से काटकर अलग करने वाले आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार, धनगवां मल्हार निवासी मनिकेश पाटले (26) ने चौकी मल्हार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 जून 2026 को वह भारत पाटले के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान किसान परसदा निवासी मोहित कुर्रे (43) ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करते हुए मनिकेश के कान को दांत से काटकर अलग कर दिया।घटना के बाद घायल युवक ने परिजनों को जानकारी दी और अगले दिन सुबह चौकी मल्हार पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्काल आरोपी की तलाश शुरू की और ग्राम धनगवां से मोहित कुर्रे को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर वैधानिक कार्रवाई की है। इस पूरी कार्रवाई को मल्हार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में अंजाम दिया।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू हुई फूड एंड बेवरेज सुविधा, यात्रियों को मिलेगा बेहतर अनुभव

बिलासपुर। लंबे इंतजार के बाद बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए भोजन एवं पेय (फूड एंड बेवरेज) की सुविधा शुरू हो गई है। एयरपोर्ट परिसर में स्थापित 'द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स' ने आज से अपना आधिकारिक परिचालन प्रारंभ कर दिया। इससे एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब गुणवत्तापूर्ण भोजन और पेय पदार्थों की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में बीसीएएस (ब्यूरो) के रीजनल डायरेक्टर, एयरपोर्ट डायरेक्टर सहित द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर नई सुविधा का शुभारंभ किया और इसे एयरपोर्ट की यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एयरपोर्ट पर फूड एंड बेवरेज काउंटर शुरू होने से यात्रियों को उड़ान से पहले और बाद में बेहतर खानपान की सुविधा मिलेगी। साथ ही विमान चालक दल (एयरक्राफ्ट क्रू) के लिए भी यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। इससे उन्हें एयरपोर्ट परिसर में ही आवश्यक भोजन एवं पेय उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा यात्रियों और क्रू सदस्यों का यात्रा अनुभव अधिक सुविधाजनक, आरामदायक और संतोषजनक बनेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि नई सुविधा यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ एयरपोर्ट की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मिली नई गति, 106 बल्क वेस्ट जनरेटर हुए पंजीकृत

बिलासपुर। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में बिलासपुर जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिले में अब तक 106 बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) का पंजीयन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक किया जा चुका है। यह पहल ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ एवं सतत विकास के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिलेवासियों एवं संस्थानों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। 106 बल्क वेस्ट जनरेटरों का पंजीयन जिले की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता तथा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने सभी पात्र संस्थानों से निर्धारित नियमों का पालन करते हुए स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल बिलासपुर के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप कुमार अग्रवाल ने कहा कि ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन स्वच्छ और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जिले में 106 बल्क वेस्ट जनरेटरों का पंजीयन पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने सभी पात्र संस्थानों से अपने परिसरों में कचरा पृथक्करण एवं प्रसंस्करण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने का आग्रह किया। जिला प्रशासन द्वारा शासकीय एवं निजी संस्थानों, अस्पतालों, शैक्षणिक परिसरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, आवासीय परिसरों सहित अन्य पात्र संस्थाओं को बल्क वेस्ट जनरेटर के रूप में पंजीयन कराने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। नियमों के अनुसार 20 हजार वर्गमीटर या उससे अधिक निर्मित क्षेत्र वाले संस्थान, प्रतिदिन 40 हजार लीटर या उससे अधिक जल उपयोग करने वाले परिसर अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले संस्थान बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आते हैं।

योग फॉर हेल्दी एजिंग थीम के साथ मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

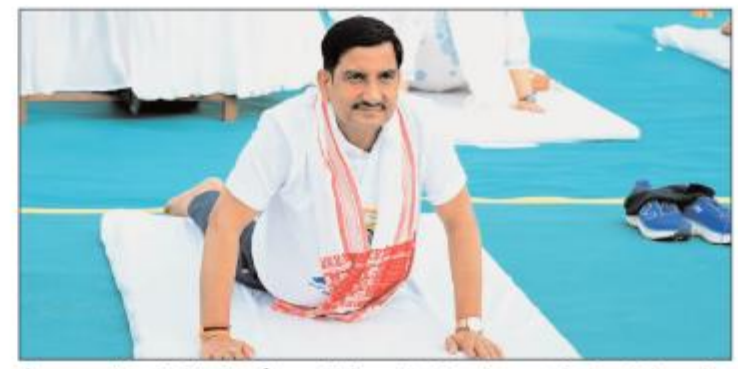

योग को जीवन का हिस्सा बनाकर रहें निरोग,स्वस्थ भारत के निर्माण में दें योगदान : केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

■ बहतराई स्टेडियम में हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, नशा मुक्ति की ली शपथ

बिलासपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बहतराई स्टेडियम में जिला स्तरीय भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग रही। कार्यक्रम में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में विधायक श्री सुशांत शुक्ला, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडे, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, , कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, श्री दीपक सिंह, पूर्व महापौर श्री किशोर राय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी संस्था की मंजू दीदी ने योगाभ्यास का संचालन किया। प्रतिभागियों ने वृक्षासन, ताड़ासन, पवनमुक्तासन, कपालभाति, त्रिकोणासन भुजंगासन, वज्रासन अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी, ध्यान सहित विभिन्न योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि योग भारत की प्राचीन विद्या

है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी गई और आज पूरी दुनिया इसे उत्साहपूर्वक मना रही है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देती है। यदि हम प्रतिदिन एक घंटा योग करें तो अनेक बीमारियों से बच सकते हैं तथा जीवनभर निरोग रह सकते हैं। योग मन और मस्तिष्क को शांत रखता है तथा बिना किसी खर्च के स्वस्थ रहने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि योग का अर्थ ही जोड़ना है। योग व्यक्ति को स्वयं से, परिवार को समाज से और समाज को राष्ट्र से जोड़ता है। योग के माध्यम से स्वस्थ, सकारात्मक और संगठित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक मंच पर स्थापित कर भारत की सांस्कृतिक विरासत को विश्वभर में सम्मान दिलाया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग भारत की गौरवशाली परंपरा है और आज विश्वभर में इसकी स्वीकार्यता निरंतर बढ़ रही है। योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं बल्कि जीवनभर अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू हुई फूड एंड बेवरेज सुविधा,यात्रियों को मिलेगा बेहतर अनुभव.......

बिलासपुर। लंबे इंतजार के बाद बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए भोजन एवं पेय (फूड एंड बेवरेज) की सुविधा शुरू हो गई है। एयरपोर्ट परिसर में स्थापित 'द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स' ने आज से अपना आधिकारिक परिचालन प्रारंभ कर दिया। इससे एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब गुणवत्तापूर्ण भोजन और पेय पदार्थों की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में बीसीएएस (ब्यूरो) के रीजनल डायरेक्टर, एयरपोर्ट डायरेक्टर सहित द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर नई सुविधा का शुभारंभ किया और इसे एयरपोर्ट की यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एयरपोर्ट पर फूड एंड

बेवरेज काउंटर शुरू होने से यात्रियों को उड़ान से पहले और बाद में बेहतर खानपान की सुविधा मिलेगी। साथ ही विमान चालक दल (एयरक्राफ्ट क्रू) के लिए भी यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। इससे उन्हें एयरपोर्ट परिसर में ही आवश्यक भोजन एवं पेय उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा यात्रियों और क्रू सदस्यों का यात्रा अनुभव अधिक सुविधाजनक, आरामदायक और संतोषजनक बनेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि नई सुविधा यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ एयरपोर्ट की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

एसईसीएल मुख्यालय में 'कार्यस्थल पर योग' कार्यक्रम का आयोजन.....

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 17 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित सीएमडी सभागार में कार्यस्थल पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई है, जिसके अनुरूप कार्यक्रम में कर्मियों को नियमित योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। योग सत्र का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ योग

प्रशिक्षक श्री प्रीत पाल सिंह गुम्बर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर आसानी से किए जा सकने वाले योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने बताया कि नियमित योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम कर कार्यक्षमता, एकाग्रता एवं सकारात्मकता को भी बढ़ाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हुए कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। उल्लेखनीय है कि एसईसीएल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं योग संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन मिले।

बिलासपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: उड़ीसा के अंतर्राज्यीय चैन स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने महिलाओं को निशाना बनाकर चैन स्नैचिंग और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले उड़ीसा के अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना तोरवा और सिरगिट्टी क्षेत्र में हुई तीन वारदातों का खुलासा करते हुए संगठित अपराध और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, 15 मई 2026 को थाना तोरवा क्षेत्र की शिवधाम कॉलोनी निवासी एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुबह घर के बाहर सफाई के दौरान स्कूटी सवार तीन अज्ञात बदमाश उसके गले से सोने की चैन छीनकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया गया, जिसमें बिना नंबर की नीली स्कूटी पर सवार संदिग्ध दिखाई दिए। इसी दौरान थाना सिरगिट्टी क्षेत्र में भी महिला से मारपीट कर चैन लूटने की घटना सामने आई। दोनों मामलों की फुटेज और आरोपियों के हुलिये का मिलान करने पर पुलिस को एक ही गिरोह के शामिल होने की पुष्टि हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गणेश नगर, सिरगिट्टी में दबिश देकर नवीन साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने उड़ीसा के अपने साथियों को बिलासपुर बुलाकर अपने घर में ठहराया था और सभी मिलकर चैन स्नैचिंग एवं लूट की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत मुख्यालय में योगा चिट चैलेंज का आयोजन

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत आज दिनांक 18 जून 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में योगा चिट चैलेंज का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस थीम स्वस्थ आयु के लिए योग के अनुरूप आयोजित इस अभिनव गतिविधि में अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने योगा चिट बॉक्स से पर्चियाँ निकालकर उन पर आधारित विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं योग संबंधी चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफलिविंग के योग प्रशिक्षक श्री प्रितपाल सिंह गुंबर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम की विधियों का मार्गदर्शन प्रदान करते हुए नियमित योगाभ्यास के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली का आधार

बताते हुए सभी को इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।पूरे आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने ऊर्जा, उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ सहभागिता करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस गतिविधि का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना, कार्यस्थल पर सकारात्मक एवं स्वस्थ वातावरण को प्रोत्साहित करना तथा योग के माध्यम से बेहतर जीवनशैली अपनाने के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को आकर्षक गुडीज़ प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। एसईसीएल योग महोत्सव 2026 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योग-आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में उत्साह पूर्वक आयोजन संपन्न

■ योग स्वस्थ, संतुलित एवं सक्रिय जीवन का आधार- श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बिलासपुर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्षा सेक्रो, अपर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्षगण, मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर, योगाचार्य श्री एल. पी. नायक एवं उनकी टीम, यूनियन प्रतिनिधिगण, रेलवे परिवार के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। गायत्री मंत्र पाठ एवं शंखध्वनि के मध्य संपन्न इस आयोजन ने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा एवं आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत कर दिया। इसके पश्चात वंदे मातरम् का सामूहिक गायन एवं भारतीय योग संस्थान के सदस्यों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। अपने उद्बोधन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने सभी उपस्थितजनों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जिसने सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली एक

समग्र जीवन पद्धति है। महाप्रबंधक ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम Yoga for Healthy Ageing है, जो स्वस्थ, सक्रिय एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। उन्होंने बताया कि योग नियमित रूप से अपनाने पर शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन तथा भावनात्मक दृढ़ता प्रदान करता है और जीवनशैली से जुड़ी अनेक बीमारियों की रोकथाम में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि रेलवे जैसे विशाल एवं गतिशील संगठन में, जहाँ चौबीसों घंटे यात्रियों एवं माल परिवहन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई जाती है, वहाँ कर्मचारियों का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। योग इस दिशा में एक सरल, सुलभ एवं प्रभावी माध्यम है, जिसे प्रत्येक आयु वर्ग का व्यक्ति सहजता से अपना सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम से भी जुड़े तथा उनके प्रेरणादायी संबोधन का श्रवण किया। प्रधानमंत्री ने योग को जन-जन के जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में इसकी भूमिका पर बल दिया। इसके पश्चात योगाचार्य श्री एल. पी. नायक के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योगाभ्यास के दौरान विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी दी गई।

ग्राम पंचायतों में 24 जून को विशेष ग्राम सभाओं का होगा आयोजन

■ आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची पर होगी चर्चा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य की ग्रामीण प्रगति और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। आगामी 24 जून 2026 को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इन ग्राम सभाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं को धरातल पर मजबूत करना और आम जनता की भागीदारी को बढ़ाना है। इन सभाओं में मुख्य रूप से आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। दावे और आपत्तियों का निराकरण पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी। इसके साथ ही, सूची को लेकर प्राप्त होने वाले दावों और आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण भी किया जाएगा ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। ग्रामीण विकास एवं जनभागीदारी सभाओं के दौरान विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और ग्रामीणों की सक्रिय जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत जिला बिलासपुर में आवास प्लस 2.0 के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के 228336 लोगो का सर्वे का कार्य किया गया है जिसके अन्तर्गत जनपद बिल्हा में 61894, जनपद कोटा में 42955, जनपद मस्तूरी में 74164, जनपद तखतपुर में 49323 है।

थायराइड को कंट्रोल कर सकते हैं ये मसाले

थायराइड जीवनशैली से जुड़ी परेशानी है जिससे आजकल हर व्यक्ति ग्रस्त है। इस कारण शरीर में काफी बदलाव आने लगता है। कुछ लोगों का वजन काफी ज्यादा बढ़ जाता है। कुछ लोगों को हेयर फॉल की शिकायत हो जाती है। अगर आप भी थायराइड की समस्या से परेशान हैं तो मम्मी के किचन में रखे कुछ मसाले थायराइड कंट्रोल करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं वो कौन से मसाले हैं जो थायराइड लेवल को फिक्स करने में आपके काम आ सकते हैं।

हल्दी

थायराइड में हल्दी का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हल्दी एक औषधि के रूप में जानी जाती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते है जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसमें करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है जो थायराइड ग्लैंड की सूजन कम करने में मदद करता है। आपको बता दें कि हल्दी में बहुत ही शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में होने वाले ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को न्यूट्रल कर देते हैं।

जीरा

जीरा हमेशा से ही खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है। वहीं इसमें मौजूद फाइटोकेमिकल्स थायराइड फंक्शन को बैलेंस रखने में मदद करते हैं। जीरा आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है जिससे थायराइड लेवल को फिक्स करने में मदद मिलती है।

दालचीनी

दालचीनी का नियमित इस्तेमाल भी थायराइड को कंट्रोल करने में मददगार है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो सूजन को कंट्रोल करते हैं। दालचीनी में सिनामाल्डिहाइट नाम का केमिकल मौजूद होता है,जो शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में मदद करता है। यह महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करने में मदद करती है जिससे शरीर में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है।

धनिया

थायराइड में धनिया के बीज का सेवन भी आपको फायदे पहुंचा सकता है। धनिया के बीजों में एंटीऑक्सीडेंट होता है थायराइड फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे शरीर का सूजन कम होता है।आप धनिया के बीजों को एक गिलास पानी में भिगोकर रखे और इसे सुबह खाली पेट पी लें।

जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है

परिवार के किसी सदस्य को ग्लूकोमा यानी काला मोतिया बीमारी हो तो सावधानी जरूरी है। इस स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को नियमित रूप से आंखों की जांच कराना चाहिए। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराते हुए आई प्रेशर का पता लगाना चाहिए। जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है।

अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है

यदि समय रहते बीमारी का पता चल जाए तो अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि पिता को काला मोतिया है तो बच्चों की आंखों की जांच जरूर नियमित रूप से कराते रहें। आई प्रेशर से ग्लूकोमा के खतरे का पता चल जाता है। काला मोतिया ऐसी स्थिति है जो आंख के पिछले हिस्से में ऑप्टिव नर्व को प्रभावित करती है। इससे आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है। ऑप्टिक नर्व आंख से मस्तिष्क को जानकारी भेजने का काम करती है।

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है। जिसके भीतर तरल पदार्थ भरा होता है। आंखों के भीतर यह तरल पदार्थ बनता रहता है, जो आंखों को नमी प्रदान करती है। परंतु जब आंखों में तरल पदार्थ बनने व बाहर निकलने की प्रक्रिया बाधित होने लगती है तो आंखों पर दबाव बढ़ता है और ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। इस दशा में आंखों की रोशनी कम होने लगती है तथा ग्लूकोमा की स्थिति बनती है। ग्लूकोमा में मरीज को ज्यादा तकलीफ नहीं होती है इसलिए इस बीमारी को नजरअंदाज किया जाता है।

शरीर में इस विटामिन की कमी के कारण होता है पीलिया

जॉन्डिस एक मेडिकल कंडीशन है जिसे हम पीलिया के नाम से जानते हैं। इसमें व्यक्ति की आंखें और त्वचा का रंग पीला पड़ने लगता है। ये एक गंभीर समस्या है जो नवजात से लेकर किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। पीलिया के कारण आपकी आंखों का सफेद भाग, झिल्ली,चेहरे और शरीर की त्वचा धीरे-धीरे पीली पड़ने लगती है।

एक्सपर्ट की माने तो पीलिया तब होता है जब शरीर में बिलीरुबिन नाम का पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है जिससे लिवर पर प्रभाव पड़ता है इससे लिवर के काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। बिलीरुबिन शरीर में फैल जाता है जिससे व्यक्ति पीलिया रोग का शिकार हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की माने तो बिलीरुबिन बढ़ने और पीलिया की समस्या के लिए कुछ विटामिन जिम्मेदार होते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में विटामिन के की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है। विटामिन के की कमी से बाइल डक्ट ब्लॉक हो जाता है जिससे बिलीरुबिन को लिवर से बाहर निकलने में रुकावट होती है। वहीं विटामिन के की कमी से रक्तस्राव भी अधिक होता है जिससे खून की कमी होती है। विटामिन बी 12 की कमी के कारण भी पीलिया हो सकता है। दरअसल जब विटामिन बी 12 की कमी होती है तब लाल रक्त कोशिकाओं की कमी भी हो जाती है। और बिलीरुबिन तब बनता है जब लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं।

रखें अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल

अगर डेंटिस्ट के पास नहीं जा पा रहे हैं तो खुद ही अपनी ओरल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी होता है और अगर हमारी ओरल हेल्थ सही न रहे तो ये आगे चलकर कई बीमारियों का कारण बन सकती है। यहां सिर्फ दांतों की सफाई नहीं बल्कि मसूढ़ों की सेहत, जीभ की सफाई और हमारे मुंह में मौजूद ग्लैंड्स की सफाई और उनके स्वास्थ्य का ध्यान भी रखना जरूरी है। ओरल हेल्थ का ख्याल रखना हर उम्र के इंसान के लिए जरूरी है। स्टडी कहती है कि दुनिया भर में 3.5 बिलियन लोग ओरल समस्याओं से जूझ रहे है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से ओरल हेल्थ को मैनेज करने के लिए कुछ खास टिप्स भी दी गई हैं। आज हम ऐसी ही कुछ टिप्स के बारे में बात करेंगे जो हमारी ओरल हेल्थ को सुधारने के लिए जरूरी है।

कम शक्कर वाले फूड्स, जूस आदि खाएं

गाइडलाइन्स कहती है कि आपको अपनी डाइट में जितना हो सके उतना कम शक्कर युक्त खाना खाएं। ये दवाओं के लिए भी लागू होता है। अगर हो सके तो ऐसे कफ सिरप आदि का चुनाव करें जिनमें शक्कर का इस्तेमाल कम हो रहा हो। शक्कर चाहें किसी भी फॉर्म में अंदर जाए वो हमारे मुंह की हेल्थ को खराब कर सकती है। इससे कैविटीज आदि भी हो सकती हैं। इसलिए ये जरूरी है कि हम कम शक्कर वाला खाना खाएं और जितना हो सके नेचुरल फ्रूट्स और ड्रिंक्स का सेवन करें।

दिन में 2-3 बार गरारा करें

ये जरूरी है कि आप अपने मुंह को साफ रखें इसके लिए आप दिन में 2-3 बार गरारा कर सकते हैं। आप अपने पास एक अच्छा माउथवॉश रखें और अगर माउथवॉश नहीं है तो आप गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे गरारा कर सकती हैं। आप चाहें तो घरेलू माउथवॉश भी बना लें जिसमें काली मिर्च, अदरक, हल्दी और तुलसी की पत्तियां शामिल हों। ये आपकी ओरल कैविटी को दूर करने में मदद करेगा।

पानी की कमी न होने दें

ओरल हेल्थ ही नहीं बल्कि शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए ये जरूरी है कि आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें। ये अच्छा होगा कि आप पानी पीते रहें ताकि मुंह सूखे नहीं और मुंह के अंदर सलाइवा, मसूढ़े आदि साफ होते रहें। पानी पीने से दांतों के अंदर फंसे खाने के कण भी निकल जाते हैं और साथ ही साथ ये कैविटीज को खत्म करने और मुंह की दुर्गंध से लड़ने में भी सहायक होगा। आप नींबू पानी या सब्जियों और फलों का जूस भी पी सकते हैं।

एल्कोहॉल और स्मोकिंग से रहें दूर

अगर आप इसका सेवन नहीं करते तो ठीक, लेकिन अगर आप करते हैं तो इसे थोड़ा कम कर दीजिए। ये ओरल हेल्थ को खराब करने के सबसे अहम कारणों में से एक होते हैं। अकेले इस एक स्टेप को लेने से ही आपकी ओरल हेल्थ में कमाल का सुधार दिख सकता है।

डाइट का रखें ध्यान

हमारी ओरल हेल्थ को निर्धारित करने में हमारी डाइट का बहुत बड़ा योगदान होता है। ये बहुत जरूरी है कि हम सही विटामिन और मिनरल अपनी डाइट में शामिल करें ताकि शरीर को पोषण मिले। अगर हम बहुत ज्यादा चिपचिपा और स्टार्च वाला खाना खाएंगे तो ये हमारी ओरल हेल्थ पर असर डालेगा।

बढ़ती उम्र के साथ जरूरी है दांतों की सही देखभाल

हेल्दी रहने के लिए शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम ओरल हाइजीन पर ध्यान नहीं देते हैं। जिसकी वजह से बढ़ती उम्र के साथ दांतों की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। कई बार कम उम्र में ही आपको दांतों की परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए, दांतों की सही तरह से देखभाल करना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ कई कारणों से ओरल हेल्थ से जुड़ी कई दिक्कतें आपको परेशान कर सकती हैं। कई लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि अगर आपकी ओरल हेल्थ ठीक नहीं है, तो इसका असर आपके पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

- उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे मुंह में कुछ नेचुरल बदलाव आते हैं। जैसे कि सलाइवा का प्रोडक्शन कम हो जाता है। उम्र के साथ दांतों की मजबूती पर भी असर होता है।
- कई अन्य बीमारियों और दवाईयों के कारण भी डेंटल हेल्थ पर असर होता है। बढ़ती उम्र में मसूड़ों से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- डायबिटीज, दिल की बीमारियों और अर्थराइटिस से भी ओरल हेल्थ प्रभावित हो सकती है। इसलिए, उम्र बढ़ने के साथ दांतों का अधिक ख्याल रखना जरूरी हो जाता है।
- घर पर दांतों की सही तरह की सफाई का ध्यान रखें।
- इसके अलावा, समय-समय पर डेंटिस्ट के पास जाकर रूटीन चेकअप करवाएं।
- दिन में दो बार फ्लोरॉइड टूथपेस्ट से दांतों का साफ करें और डेंटल फ्लॉस से दांतों के बीच का हिस्सा भी साफ करें। इससे कैविटीज और मसूड़ों की सड़न के बचाव हो सकता है।
- मुंह के बैक्टीरिया को दूर करने के लिए एंटीसेप्टिक माउथवॉश से कुल्ला करें।
- अगर आप डेंचर यूज करते हैं, तो इसकी भी सही देखभाल जरूरी है।
- डेंचल को सोते समय निकाल दें। इसे सही से साफ करें और इसे बैक्टीरियल ग्रोथ से बचाने के लिए डेंटल सल्यूशन पर डुबोकर रखें।
- बड़े-बुजुर्गों की ओरल हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए सही हाइड्रेशन भी जरूरी है। क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ लार बनना कम हो जाती है। ऐसे में सही मात्रा में पानी पीना जरूरी है।
- लार एसिड को न्यूट्रिलाइज करने और फूड पार्टिकल्स को धोने के लिए जरूरी है।
- पानी पीने से ड्राई माउथ की प्रॉब्लम नहीं होती है। ड्राई माउथ की वजह से दांत का घिसना और ओरल हेल्थ से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

काली गाजर के सेवन से दूर होती है ये बीमारियां

काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते है। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है। काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मदद्गार हो सकती हैं।

गाजर खाने के कई फायदे होते हैं। गाजर विटामिन-ए से भरपूर होती है। लेकिन बहुत कम लोगों ने काली गाजर के बारे में सुना होगा। डायटिशियन मीना कोरी यहां हमें काली गाजर के फायदों के बारे में बता रही है।

आंखों के लिए फायदेमंद

काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है।

कैंसर से बचाव करती है काली गाजर

काली गाजर में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कैंसर से भी शरीर को सुरक्षित रखती है। मीना कोरी का कहना है कि एंथोसायनिन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन स्तन कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, और कोलोरेक्टल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां नहीं होती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, उन्हें काली गाजर का सेवन जरूर करना चाहिए। काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करती है।

वजन घटाती है काली गाजर

काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती हैं। फाइबर लंबे समय तक पेट को भरा हुआ रखता है। ज्यादा भूख नहीं लगती है। आप कम कैलोरी खाते हैं तो इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। इससे शरीर मोटापा नहीं बढ़ता है। शरीर का वजन भी नहीं बढ़ता है। काली गाजर के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल नहीं बढ़ता रहता है और इससे हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर अलका बाघमार ने वितरित की प्रधानमंत्री आवास की चाबियां

तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर का हुआ सफल समापन, हितग्राहियों को मिली योजनाओं की सौगात

दुर्ग। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में 18 से 20 जून 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के समापन अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयुक्त सुमित अग्रवाल, रंजीता पाटिल, ललिता ठाकुर, उपायुक्त मोहेंद्र साहू, मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, प्रकाशचंद थवानी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समापन समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण) के हितग्राहियों को विधायक रिकेश सेन एवं महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल की उपस्थिति में आवास की चाबियां एवं पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए। वहीं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा तीन हितग्राहियों को 50-50 हजार रुपये के ऋण स्वीकृति चेक वितरित किए गए। योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। तीन दिवसीय शिविर में नगर पालिक निगम दुर्ग के विभिन्न विभागों, स्वास्थ्य विभाग, जनपद पंचायत, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, नगर निगम भिलाई तथा नगर निगम रिसाली सहित विभिन्न विभागों द्वारा नागरिकों के आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में कुल 176 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 112 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 63 आवेदनों को त्वरित कार्रवाई एवं निराकरण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। शिविर के दौरान आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सूर्यघर योजना, विभिन्न पेंशन योजनाओं सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने पंजीयन कराया तथा योजनाओं की विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। ऐसे शिविरों के माध्यम से नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलती है तथा शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस विशेष शिविर में नागरिकों को विभिन्न योजनाओं में पंजीयन एवं लाभ प्राप्त करने की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निगम प्रशासन भविष्य में भी जनहित के ऐसे कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन करता रहेगा।

सिकल सेल जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सिकल संगवारी पहल एवं एबीस ग्रुप के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जन सामान्य में जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को रेखांकित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर मती अलका बाघमार की अध्यक्षता में एवं जिला पंचायत सभापति एवं स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष सु प्रिया साहू की उपस्थिति में किया गया। उक्त कार्यक्रम में एम.आई.सी. मेम्बर मती लीना दिनेश देवांगन, देव नारायण ठाकुर, एम.आई.सी. मेम्बर, शेखर चंद्राकर, एम.आई.सी. मेम्बर मती लोकेश्वरी ठाकुर, पार्षद, प्रमोद वाघ, जीवनदीप समिति कार्यकारिणी सदस्य, ऋषि यादव, जीवनदीप समिति कार्यकारिणी सदस्य एवं विजय ताम्रकार, जीवनदीप समिति कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत सरोरा में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

तिल्दा-नेवरा। तिल्दा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सरोरा में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए जोशी मोहल्ला सरोरा में सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन में ग्राम पंचायत की सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू, उपसरपंच बसंत सिंह विनोद एवं पंचगणों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात पंचायत प्रतिनिधियों ने श्रीफल फोड़कर, तिलक लगाकर सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पुजन किया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने विकास कार्य के लिए पंचायत प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत सरोरा जोशी मोहल्ला में स्थित शिव मंदिर से लेकर कमलेश यदु के निवास तक लगभग 200 मीटर लंबाई की सीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में कीचड़ एवं जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। ग्रामीणों का मानना है कि यह कार्य मोहल्ले के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू, उपसरपंच बसंत सिंह विनोद, पंचगण महेश्वरी रमेश पाल, इंदू शेखर शर्मा, ताराचंद पाल, मनोज यादव, सरोज यदु, जितेंद्र वर्मा, धर्मेंद्र साहू, कुलेश पाल, रामभरोसा साहू, श्यामलाल साहू, दारा सिंह जोशी, संतोष यदु, ननकू यदु, पंचू पाल, मारकंडे साहू, मोहित साहू, कमलेश यदु, नारद जोशी, कुलेश्वर जोशी, महेंद्र कुमार यदु, टिकाराम पाल सहित ग्राम पंचायत सरोरा के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू ने कहा कि पंचायत क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और जनहित के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। पंचायत का उद्देश्य प्रत्येक मोहल्ले तक बेहतर सड़क, स्वच्छता और आवश्यक आधारभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग और पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता से विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने भी पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत सरोरा में पिछले कुछ समय से विभिन्न जनहितकारी कार्यों को गति मिली है। पंचायत प्रतिनिधियों के प्रयासों से गांव में विकास का नया वातावरण निर्मित हुआ है और आने वाले समय में भी अनेक महत्वपूर्ण कार्यों की उम्मीद है। कार्यक्रम का समापन ग्राम के पंचायत प्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कराने का भरोसा दिलाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है योग: डॉ. रमन सिंह

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर दिग्विजय स्टेडियम में कार्यक्रम हुआ

पांच हजार से अधिक लोगों ने की शिरकत, नेता, अधिकारी और आमजन हुए शामिल

राजनांदगांव। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उल्लास के माहौल में स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन आज सुबह दिग्विजय स्टेडियम में किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सभी नागरिकों से इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि योग केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं प्रतिदिन योग करते हैं तथा हाल ही में हुई सर्जरी के कारण कार्यक्रम में योगाभ्यास नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से वे शीघ्र ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर अगले वर्ष योगाभ्यास में शामिल होंगे।

उन्होंने अबूझमाड़ से आए बच्चों द्वारा प्रस्तुत मल्लखंब प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इन बच्चों ने अद्भुत संतुलन और कौशल का परिचय दिया है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप स्वेच्छानुदान मद से 51 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि योग में केवल शारीरिक अभ्यास नहीं है। योग मन को स्थिर करता है और सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाता है। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल नीलू शर्मा, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सचिन बघेल, अध्यक्ष राजगामी संपदा न्याय पूर्णिमा साहू, पूर्व खूबचंद पारख, कोमल सिंह राजपूत, संतोष अग्रवाल, आईजी बालाजी राव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह सहित अन्य पार्षद, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बच्चे, खिलाड़ी, नागरिकगण उपस्थित थे।

पीएम मोदी के प्रस्ताव से योग 177 देशों में पहुंचा

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में किए गए प्रस्ताव के बाद आज योग विश्व के 177 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि योग भारत की उस परंपरा का प्रतीक है जो पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि योग मन, शरीर और आत्मा का समन्वय है। योग व्यक्ति को प्रकृति, समाज और ईश्वर से जोड़ने का माध्यम है।

योग सकारात्मक प्रेरणा देता है: कलेक्टर

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को स्वयं को समझने, आत्मचिंतन करने और जीवन को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा देता है। आज के समय में जब लोग बाहरी दुनिया और परिस्थितियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, योग हमें अपने भीतर झांकने और स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करता है।

सरकार की लाचरता से शराबखोरी और अय्याशी का अड्डा बना मनगटा : रूपेश दुबे

बिना डायवर्शन,अवैध निर्माण के कारोबारियो के हौसले बुलंद

राजनांदगांव। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि आए दिन मनगटा क्षेत्र में अवैध कारोबार के समाचार से पूरा क्षेत्र कलंकित हो गया है। अब यह इलाका शराबखोरी अय्याशी और देह व्यापार का केंद्र बिंदु बन गया है, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन जिला होने के बाद भी ठोस कार्यवाही नहीं होने के कारण इन अवैध कारोबारियों के लगातार अनैतिक कार्य सामने आ रहे है। कार्यवाही दिखावे मात्र के होने के कारण यहाँ के अवैध कृत्यों में संलिप्त कारोबारियों के सामने प्रशासन बौना साबित हो गया है।

प्रवक्ता दुबे ने कहा कि अब अवैध निर्माण जिन रिसॉर्ट के डायवर्सन नहीं है, जिन रिसॉर्ट में अनैतिक आपत्तिजनक सामग्री मिले है, जहां शराब खोरी हो रही है जो अय्याशी अघोषित देह व्यापार का केंद्र बना कर सभ्यता संस्कृति से खिलवाड़ कर रहे है। उन्हें जमींदोज करना ही सीधा व सरल उपाय है। क्योंकि अवैध प्लाटिंग या कब्जा से ज्यादा खतरनाक ये अवैध व्यापारियों के रिसॉर्ट है। इनके दुष्कृत्य से इस क्षेत्र की संस्कृति सभ्यता का क्षरन और अनैतिक वातावरण बन गया है। 150 से अधिक रिसॉर्ट में मात्र 15 से 20 को नोटिस जवाब की औपचारिकता से कुछ नहीं होगा। बल्कि कलेक्टर से इस क्षेत्र के रिसॉर्ट का डायवर्शन ना कर अवैध निर्मित रिसॉर्ट को जमींदोज करने की मांग की है।

कलेक्टर ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक में लंबित आवेदनों को शीघ्र निराकरण करने के दिये निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में पी.जी. पोर्टल, मुख्यमंत्री अन्य पत्र, कलेक्टर जनदर्शन, पीजीएन वेब पोर्टल, पीजीएन पोस्ट पोर्टल. ई-समाधान और मुख्यमंत्री जनदर्शन से संबंधित लंबित आवेदनों का विभागवार समीक्षा की। साथ ही लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभागों में तीन माह एवं एक वर्ष अधिक लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने प्रकरण लंबित होने के संबंध में जानकारी ली। समीक्षा के दौरान पीजी पोर्टल के 221, कलेक्टर जनदर्शन के 904, पीजीएन वेब पोर्टल के 181, पीजीएन पोस्ट पोर्टल के 108 ई-समाधान के 16 और मुख्यमंत्री जनदर्शन के 25 आवेदन लंबित पाए गए। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ सभी लंबित प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए है। उन्होंने विभागों में एक माह से अधिक के प्रकरण आगामी दो दिनों में पूर्ण निराकृत करने कहा है। प्रकरण फारवर्ड करने अथवा निराकरण में किसी प्रकार की समस्याए होने पर अधिकारियों को डीआईओ से संपर्क कर प्रकरण निराकृत कराने के निर्देश दिए है। इसी प्रकार बैठक में समीक्षा के दौरान अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर मती योगिता देवांगन एवं मती सिल्वी थॉमस, दुर्ग नगर निगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल, भिलाई नगर निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय, भिलाई चरौदा नगर निगम आयुक्त दशरथ राजपूत एवं रिसाली नगर निगम आयुक्त मती मोनिका वर्मा सभी एसडीएम एवं तहसीलदार सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत आगेसरा में सरकारी भूमि पर विवाद गहराया, हाईकोर्ट पहुंचा मामला, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बाहरी लोग कर रहे अतिक्रमण, मूल निवासियों के अधिकारों का हनन

पाटन। दुर्ग जिले के दक्षिण पाटन क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत आगेसरा में सरकारी भूमि एवं अतिक्रमण को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों पूर्व जीविकोपार्जन के उद्देश्य से गांव में आए बाहरी कुम्हार पाड़ा समुदाय के कुछ लोगों ने धीरे-धीरे सरकारी भूमि पर कब्जा कर लिया और अब उसी भूमि के आवंटन की मांग करते हुए माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर का दरवाजा खटखटाया है। ग्रामीणों के अनुसार संबंधित परिवारों ने प्रारंभ में किसानों की भूमि पर ईंट-भट्ठा संचालित करते हुए निवास शुरू किया था, लेकिन बाद में सरकारी भूमि पर भी कब्जा कर लिया। गांववासियों का कहना है कि पिछले लगभग दस वर्षों से वे इस अतिक्रमण का विरोध करते आ रहे हैं। विवादित भूमि में मां वृंदा देवी डिंडा कपाट धाम परिसर का पार्किंग क्षेत्र भी शामिल बताया जा रहा है, जहां कथित रूप से कब्जा किया गया है। ग्राम सभा में पार्किंग स्थल एवं अन्य सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके आधार पर ग्राम पंचायत द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की पंचायती राज अधिनियम धारा 56 के तहत नोटिस जारी किया गया। इसके विरुद्ध संबंधित पक्ष द्वारा कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, सरपंच, सचिव एवं दो अन्य ग्रामीणों को पक्षकार बनाते हुए उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की गई है। ग्राम पंचायत आगेसरा के सरपंच ने बताया कि पंचायत ग्रामीणों की मांग एवं ग्राम सभा के प्रस्ताव के अनुरूप सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जानकारी पूरे गांव को दी गई है, जिसके बाद ग्रामीणों में व्यापक नाराजगी एवं चिंता का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाहरी लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा किए जाने से गांव के मूल निवासियों को आबादी भूमि तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ईंट-भट्ठा आबादी क्षेत्र के निकट संचालित होने से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

साथ ही रेत उत्खनन एवं किसानों की भूमि से जुड़े अन्य विवादों की शिकायतें भी सामने आई हैं।

50 लाख रुपये की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर पार्किंग स्थल में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के प्रमुख प्रशासनिक केंद्र कलेक्ट्रेट परिसर की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए वार्ड क्रमांक 38 स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के पार्किंग स्थल में 50 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आयुक्त सुमित अग्रवाल, निगम सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर तथा वार्ड पार्षद रामचंद सेन की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन उपरांत महापौर, कलेक्टर एवं आयुक्त ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए पहुंचते हैं। पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य पूर्ण होने से पार्किंग व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी तथा नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ऐसे आधारभूत विकास कार्य आवश्यक हैं।

कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाम, संभव जैन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे ।

वार्ड 18 एवं 21 में लगभग 69 लाख रुपये की लागत से सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के पटरी पार क्षेत्र में विकास को गति देते हुए वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर एवं वार्ड क्रमांक 21 सिंधिया नगर में लगभग 69 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। महापौर अलका बाघमार ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया।इस अवसर लोक कर्म प्रभारी एवं वार्ड पार्षद देव नारायण चन्द्राकर,शेखर चन्द्राकर, वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह, पार्षद सुरूचि उमरे,रंजीता पाटिल,जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह,सहायक अभियंता संजय ठाकुर,उपअभियंता सिद्धार्थ साहू, पटरीपार मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा सहित बडी संख्या में वार्ड नागरिकगण मौजूद रहें। इस अवसर पर महापौर बाघमार ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। बेहतर सड़क, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मांग और आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को सुविधाजनक एवं बेहतर शहरी वातावरण मिल सके। वार्ड क्रमांक 21 सिंधिया नगर क्षेत्र में स्ट्रीट क्रमांक 3 के आगे पंप रोड मुकुट नगर में सीसी रोड निर्माण, दुर्गा मंच के चारों ओर सीसी रोड निर्माण, सिंधिया नगर, आशा नगर एवं मुकुट नगर के मुख्य मार्ग में क्रॉसिंग पुलिया एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस पर नि:शुल्क स्क्रीनिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झीट। विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के अवसर पर झीट द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, झीट में सिकल सेल जागरूकता एवं निःशुल्क स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, शीघ्र पहचान को प्रोत्साहित करना तथा समुदाय को इस आनुवंशिक रोग के प्रभावी प्रबंधन के संबंध में जागरूक करना था। कार्यक्रम में डॉ. अपर्णा वर्मा (खंड चिकित्सा अधिकारी, झीट), डॉ. नेहा गुरबानी (वैज्ञानिक-सी), डॉ. उपेंद्र भेले (वैज्ञानिक-सी) तथा एमआर एचआरयू झीट के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। विशेषज्ञों ने उपस्थित समुदाय को सिकल सेल रोग के कारणों, लक्षणों, संभावित जटिलताओं, रोकथाम एवं समय पर जांच के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान लोगों को सिकल सेल रोग की समय रहते पहचान और उचित उपचार के लाभों से अवगत कराया गया। साथ ही, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की निःशुल्क सिकल सेल जांच (स्क्रीनिंग) भी की गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com